जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 315 प्रभात हिण्डौन सिटी, गुरूवार 18 सितम्बर, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ब्रिटेन के केवल 16 प्रतिशत लोग ट्रंप की राजनीति से सहमत हैं

बाकी जनता ट्रंप के तौर-तरीके व सोच से असहमत और सख्त खिलाफ है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17, सितंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप मंगलवार को ब्रिटेन की राजकीय यात्रा के दौरान भले ही शान-ओ-शौकत का आनंद ले रहे हों, लेकिन असल में वे एक तरह के बुलबुले में हैं, ब्रिटिश जनता से काफी दूर, जो राजधानी लंदन और देश के अन्य हिस्सों में बड़ी संख्या में इकट्ठी हुई है, इस सजे संवरे और बड़ी सावधानी पूर्वक आयोजित कार्यक्रम के प्रति अपनी नाराज़गी और निंदा जाहिर करने के लिए।

ब्रिटिश लोग छोटी, आकर्षक, तीखी और संक्षिप्त टिप्पणियों के लिए मशहूर हैं। लंदन में एक में एक हाईप्रोफाइल विरोध मार्च के पोस्टरों पर लिखा नारा, "डंप ट्रंप" (ट्रंप को हटाओ) नारा जनता की भवना और अमेरिकी राष्ट्रपति की राजनीति के प्रति उसके गुस्से को दिखाने के लिए काफी था।

यात्रा से कुछ समय पहले हुए एक जनमत सर्वेक्षण में पता चला कि केवल 16 प्रतिशत ब्रिटिश जनता ट्रंप से सहमत है। बाकी लोग हल्की नापसंदगी से लेकर बेहद कड़ी नफ़रत तक, अलग-अलग तरीकों से उनकी राजनीति को ठुकरा रहे हैं। इन भावनाओं का इज़हार जगह-जगह हो रही सभाओं और प्रदर्शनों में हो रहा है।

एक प्रमुख ब्रिटिश राजनेता ने तो ट्रंप के सम्मान में विंडसर पैलेस में होने वाले भोज का निमंत्रण ही ठुकरा दिया। दूसरी तरफ, कुछ प्रदर्शनकारियों ने विंडसर पैलेस की दीवारों पर ट्रंप की तस्वीर को कुख्यात जेफ्री एप्सटीन के साथ प्रदर्शित किया।

लंदन की सड़कों पर भारी भीड़ विरोध मार्च कर रही थी। कुछ प्रदर्शनकारी ब्रिटिश सरकार से अपील कर रहे थे कि वह साहस दिखाए और ट्रंप की खुशामद करने के लिए इतना नीचे न गिरे।

निश्चित ही, ब्रिटिश सरकार और सुरक्षा तंत्र जनता की भावनाओं से पूरी तरह वाकिफ़ थे, इसलिए पूरी यात्रा को जनता से दूर रखने और महल की कड़ी सुरक्षा वाली दीवारों के अंदर रखने के लिए हर संभव सावधानी बरती गई। यहां तक कि राजनीतिक बैठक भी लंदन तथा अन्य लोकप्रिय स्थानों से दूर, प्रधानमंत्री के कंट्री होम में आयोजित की गई।

जब ब्रिटिश सरकार ट्रंप को राजसी ठाठ-बाट और परंपरागत स्वागत से "सम्मोहित" करने का नाटक कर रही थी, उसी दौरान असली राजनीति दुनिया के अन्य हिस्सों में चल रही थी।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन की उस मुख्य रेलवे लाइन पर भयंकर हमला करने का आदेश दिया, जो देश को पश्चिमी यूरोप से जोड़ती है। अमेरिकी राष्ट्रपति की बार-बार की अपीलों को अनदेखा करते हुए, रूस, यूक्रेन पर बेरहमी हमले कर रहा है।

कठोर कूटनीति के खिलाड़ी राष्ट्रपति पुतिन ने अपने "मित्र" प्रधानमंत्री मोदी को उनके 75वें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस जनभावना से इंगलैण्ड की सरकार अनभिज्ञ नहीं है, इसीलिए ट्रंप की ब्रिटेन की यात्रा को जनता से दूर विंडसर पैलेस में रखा गया है। पूरे शान-शौकत व आनंदमयी वातावरण में तथा ट्रंप से राजनीतिक काम की बातचीत भी अगले दिन, ब्रिटेन के प्र.मंत्री के फार्म हाउस पर आयोजित की गई है।
- दूसरी ओर, लंदन में जनता गंदे व भद्दे नारे लगा रही है और प्रदर्शन कर रही है, ब्रिटेन की सरकार व ट्रंप के खिलाफ। नारों का सार है कि इंगलैण्ड की सरकार कुछ तो रीढ़ की हड्डी में दम दिखाये व साष्टांग न हो, ट्रंप के सामने, ट्रंप को अच्छे मूड में रखने के लिए, ट्रंप को लुभाने के लिए।
- मोदी के जन्म दिन पर, पुतिन ने भरपूर बधाई दी तथा यह जताने का प्रयास किया कि अमेरिका का रूस को अलग-थलग करने का प्रयास सफल नहीं हो रहा, बल्कि सभी जगह, चीन में भी एस.सी.ओ. सम्मेलन में वो सादर आमंत्रित हैं।
- भारत को भी सभी तरफ से यूरोप से भी पूर्ण मित्रता व समर्थन मिल रहा है, ट्रंप द्वारा भारत के मामले में अनुचित टैरिफ लगाने के कारण।
- ट्रंप इंगलैण्ड की सरकार के भव्य आतिथ्य की खुमारी लगभग सुखद निद्रा में हैं, तथा उनकी "चतुर राजनीति" का खामियाजा यूक्रेन उठा रहा है, क्योंकि रूस की लगातार बढ़ती व प्रखर होती बमबारी से सैंकड़ों यूक्रेनवासी प्रतिदिन मारे जा रहे हैं।

इटली की प्र.मंत्री का मोदी को बधाई संदेश

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 सितम्बर। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके नेतृत्व और नजरिए की प्रशंसा करते हुए कहा कि "उनकी शक्ति, संकल्प और करोडों लोगों का मार्गदर्शन करने की क्षमता" प्रेरणा का स्रोत है।

अपने संदेश के साथ उन्होंने एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें दोनों नेता साथ नजर आ रहे हैं। इस फोटो में सैल्फी के लिये कैमरा थामे मुस्कराते हुये थोड़ा सा आगे खड़ी हैं, जबकि उनके बाईं ओर प्रधानमंत्री मोदी भी मुस्कुरा रहे हैं। यह तस्वीर दोनों नेताओं के बीच के मित्रतापूर्ण तालमेल को दर्शाती है।

- इटली की प्रधानमंत्री मैलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी को 75वें जन्म दिवस पर सोशल मीडिया पर बधाई दी और उन्हें प्रेरणा स्रोत बताया।

कैप्शन में मेलोनी ने लिखा: "भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 75वें जन्मदिन की शुभकामनाएं। उनकी शक्ति, उनका संकल्प, और करोड़ों लोगों का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता प्रेरणा का स्रोत है। मित्रता और सम्मान के साथ, मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और ऊर्जा की कामना करती हूँ, ताकि वे भारत को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाते रहें और हमारे देशों के बीच संबंधों को और मज़बूत करें।"

सहयोगी दलों की बढ़ती मांगों से एडजस्ट नहीं कर पा रही है भाजपा बिहार में

भाजपा के रणनीतिकारों ने निजी तौर पर माना कि सहयोगियों की मांग मानी तो पार्टी कमज़ोर हो जाएगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 सितम्बर। बिहार में सत्तारूढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस - एनडीए) सीट बंटवारे को लेकर गहरे गतिरोध में फंसा हुआ है। नवंबर की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से कुछ ही सप्ताह पहले प्रमुख सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। कई दौर की अनौपचारिक बातचीत के बावजूद, कोई आम सहमति नहीं बन सकी है, और यह देरी गठबंधन के भीतर अनिश्चितता को और भी बढ़ा रही है।

अन्दरुनी सूत्रों के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने सहयोगियों-मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाले जनता दल (यूनाइटेड), चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम), और उपेन्द्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी-की बढ़ती मांगों को संतुलित रखने के लिये संघर्ष कर रही है। सभी दल अपने-अपने क्षेत्रीय प्रभाव का हवाला देते हुए ज्यादा सीटों की मांग कर रहे हैं, जबकि भाजपा राज्य में अपना दबदबा बनाए रखना चाहती है।

यह संकट तब और उभरकर सामने आया, जब पिछले हफ्ते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा पटना दौरे पर गए, लेकिन नीतीश कुमार से रुबरु बैठक किए बिना लौट आए। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह संवादहीनता एनडीए के दो मुख्य स्तंभों के बीच भरोसे की कमी का स्पष्ट संकेत है। खास बात यह है कि दोनों दलों के सूत्रों ने पुष्टि की है कि अब तक सीट बंटवारे को लेकर कोई औपचारिक बैठक नहीं हुई है।

तनाव को और बढ़ाते हुए, चिराग पासवान ने सार्वजनिक रूप से अपनी पार्टी के लिए 40 सीटों की मांग की है, जबकि जीतन राम मांझी 20 सीटों से कम पर राजी नहीं हैं। दोनों नेताओं ने यह संकेत दिया है कि अगर उनकी मांगें समय पर पूरी नहीं हुईं, तो वे गठबंधन में अपनी भूमिका पर पुनर्विचार कर सकते हैं। तीसरे छोटे सहयोगी, उपेन्द्र कुशवाहा को अनौपचारिक रूप से 10 सीटों की पेशकश की जा रही है, लेकिन उनकी पार्टी ने इस पर अभी तक कोई सहमति नहीं दी है।

भाजपा के रणनीतिकार निजी तौर पर स्वीकार करते हैं कि सहयोगियों को इतनी अधिक सीटें देना राज्य में पार्टी की अपनी स्थिति को कमजोर कर सकता है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि एक संभावित समझौता फार्मूला पर विचार किया जा रहा है, जिसमें एलजेपी को 20, एचएएम को 10, और कुशवाहा की पार्टी को 10 सीटें दी जा सकती हैं, हालांकि यह प्रस्ताव सहयोगियों की मांगों से काफी कम है।

सीट बंटवारे में देरी एक रणनीतिक कदम भी मानी जा रही है। एनडीए के नेता इंडिया गठबंधन पर नजर रखे हुए हैं, जो जल्द ही अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करने वाला है। एनडीए इस इंतज़ार में है कि वह अपनी सीटें विपक्षी रणनीति के हिसाब से समायोजित कर सके।

लेकिन, सहयोगी खुलेआम धमकी दे रहे हैं और भाजपा ने अभी तक नीतीश कुमार से सीधी बातचीत नहीं की है, यह गतिरोध एनडीए की कमजोर एकता को उजागर करता है। अगर जल्द

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जद (यू) और भाजपा के बीच भी सीटों के मुद्दे पर तनाव है। इसका संकेत तब मिला जब सीटों पर चर्चा के लिए नड्डा पटना आए, पर उन्हें नीतीश से बिना मिले लौटना पड़ा।
- छोटे दलों की भी मांगें बड़ी-बड़ी हैं। चिराग पासवान 40 सीटें मांग रहे हैं। जीतनराम मांझी 20 सीटें, तो उपेन्द्र कुशवाहा की मांग भी 15 सीटों की है। पर, भाजपा इन दलों को इनकी मांग से आधी सीटें ही देना चाहती है।

'पराली जलाने पर कुछ किसानों को जेल भेजना, दूसरों के लिए कठोर संदेश हो सकता है'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इससे किसानों को पराली जलाने से रोका जा सकता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा कि पराली जलाने के लिए कुछ किसानों को जेल भेजने से दूसरों को एक सख्त संदेश जा सकता है और यह दूसरों के लिए एक निवारक (डिटरैंट) की तरह काम कर सकता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी, हर अक्टूबर में दिल्ली-एनसीआर की दमघोंटू वायु प्रदूषण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए की।

इससे पहले, "एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) अपराजिता सिंह ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ को बताया कि पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए किसानों को सब्सिडी और उपकरण मुहैया कराए गए हैं।

उन्होंने कहा, "लेकिन किसानों की वही कहानी रहती है। पिछली बार किसानों ने कहा था कि उन्हें उस समय पराली जलाने को कहा गया था, जब उपग्रह उस क्षेत्र से नहीं गुज़र रहा था। मुझे यह कहते हुए दुःख हो रहा है कि 2018 से सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कई विस्तृत आदेश पारित किए हैं, और फिर भी हर बार किसान केवल लाचारी ही जताते हैं।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में हर साल अक्टूबर में गंभीर वायु प्रदूषण होने के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि किसानों की गिरफ्तारी रुटीन में नहीं होनी चाहिए। सिर्फ संदेश देने के लिए ही ऐसा किया जाना चाहिए।
- चीफ जस्टिस बी.आर. गवई ने कहा, किसान हमारे लिए खास हैं, उनकी वजह से हमें भोजन मिलता है। पर, इसका मतलब यह नहीं है कि वे इसका अनुचित लाभ उठाएं।
- ज्ञातव्य है कि अक्टूबर महीने में हरियाणा और पंजाब के किसान खेतों में पराली जलाते हैं, जिससे दिल्ली एनसीआर में हवा बहुत ज्यादा प्रदूषित हो जाती है।

बीकानेर में पूर्व पार्षद तथा व्यापारी के 6 ठिकानों पर ईडी की रेड

बीकानेर, 17 सितम्बर (निसं)। यहां फिलिस्तीन का समर्थन करने और विदेशी फंडिंग को लेकर प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई जारी है। जयपुर से आई ईडी की टीम ने छह ठिकानों पर छापा मारा है। इसमें पूर्व पार्षद और एक व्यापारी भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ईडी को बीकानेर से फिलिस्तीन के समर्थन और विदेशी फंडिंग का इनपुट मिला था। कार्रवाई के लिए ईडी की टीम जयपुर से यहां मंगलवार को ही पहुंच गई थी। इसके बाद बुधवार सुबह आठ बजे टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी। मौके पर आरपीएफ के जवान भी तैनात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पूर्व पार्षद जावेद खान के सुभाषपुरा स्थित मकान तथा व्यापारी मोहम्मद सादिक के फड़ बाजार स्थित घर पर ईडी की टीम ने पूछताछ की।

मोदी ने ट्रंप को 37 मिनट से हराया फोन काल की प्रतिस्पर्धा में

"शो मैन" ट्रंप पूर्णतया वाकिफ हैं, "पहले मारे वो मीर" के सिद्धांत से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 सितम्बर। आम राय यह है कि डॉनल्ड ट्रंप का फोन कॉल उस रिश्ते को फिर से पटरी पर लाने की पेशकश थी, जो बीते कुछ महीनों से इसलिये खराब था, क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति भारत द्वारा कई मुद्दों पर 'सहयोग न करने' से नाराज़ थे।

ऐसा लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रात देर से किया गये फोन कॉल, जो कि जाहिर तौर पर उनके 75वें जन्मदिन की बधाई देने के लिए था, से उस द्विपक्षीय संबंध में नई ऊर्जा आ गई है, जो भारतीय निर्यातों पर 50 प्रतिशत टैरिफ, व्यापार समझौते की असफलता और, प्रतिबंधों के बावजूद, रुस से तेल खरीदने को लेकर वाइट हाउस की नाराज़गी जैसे मुद्दों से प्रभावित हो गया था। ज्ञातव्य है कि ट्रम्प भारत द्वारा रुस से तेल की खरीद को यूक्रेन युद्ध का पोषक मान रहे हैं।

यह कॉल इसलिए भी अहम है, क्योंकि भारत ने कई मुद्दों पर अमेरिका का साथ देने से इनकार किया - जैसे कि "ऑपरेशन सिंदूर सीज़फायर" के लिए ट्रंप को ज़िम्मेदार मानना (जबकि वे नहीं थे), उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए समर्थन देना, और टैरिफ विवाद आदि।

इन सब बातों ने उस रिश्ते पर गहरा असर डाला, जिसे ज़्यादातर विश्लेषक "दुनिया की नहीं तो, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारियों में से एक" मानते हैं। इसका अंत तब दिखा, जब डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय अर्थव्यवस्था - जो कि जीडीपी के हिसाब से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है - को "मरी हुई" बता दिया था।

इसलिए ट्रंप का यह फोन कॉल बेहद अहम था, लेकिन इस कहानी में और भी कुछ है।

शायद सबसे महत्वपूर्ण बात बातचीत में नहीं, बल्कि उसके बाद सोशल मीडिया पोस्ट के समय में थी, एक तरह की 'दौड़,' जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को 37 मिनट से हरा दिया।

प्रधानमंत्री मोदी की एक्स पर पोस्ट रात 10:53 बजे आई। ट्रंप की पोस्ट ट्रुथ सोशल पर रात 11:30 बजे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत-पाक युद्ध में, उदाहरण के लिए, ट्रंप ने "सीज़फायर" करवाने का श्रेय लेने के लिए, सबसे पहले सोशल मीडिया पर खबर चलवा दी। और इसका फायदा वे अंत तक लेते रहे, चाहे भारत ने उच्चतम स्तर पर इस खबर का कई बार खंडन किया।
- ऐसा ही, तेहरान व तेल अवीव के युद्ध के दौरान भी ट्रंप ने करवाया।
- पर, इस बार ट्रंप नहीं कर पाये, मोदी की जन्म दिन की बधाई के "फोन कॉल" के बारे में।
- मोदी ने बधाई के फोन की खबर 10:53 पर, सोशल मीडिया पर डाली। पर, ट्रंप ऐसा 11:30 बजे ही कर पाये।
- इस "हार" से ट्रंप काफी असहज हो गए, क्योंकि वे सदा घटनाक्रम पर अपना कंट्रोल चाहते हैं, जो पहले खबर देने से स्थापित होता है।

'प्र.मंत्री की मां का एआई वीडियो हटाए कांग्रेस'

पटना, 17 सितंबर। बिहार चुनाव से पहले पटना हाई कोर्ट से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने कांग्रेस के उस एआई वीडियो, जिसमें पीएम मोदी और उनकी माँ को दिखाया गया था, को हटाने का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट ने अब इस वीडियो को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने के लिए कहा है। ज्ञातव्य है कि कांग्रेस ने बीते दिनों पीएम मोदी और उनकी मां

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पटना हाईकोर्ट ने कांग्रेस को निर्देश दिया कि यह वीडियो सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म से हटाया जाए।

क्या अमेरिका, भारत से संबंधों को "सामान्य" करने के बारे में वास्तव में गंभीर है?

मोदी को जन्म दिन पर, ट्रंप द्वारा बधाई का फोन करना, क्या ठोस प्रगति है?

-सुकुमार शाह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17, सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भेजी गई शुभकामनाएं केवल औपचारिकता नहीं थीं, बल्कि उन अवरुद्ध व्यापार वार्ताओं में नए उत्साह का संकेत थीं, जो कठोर अमेरिकी टैरिफ के कारण रुक गई थीं। दोनों नेताओं के बीच यह गर्मजोशी ऐसे समय में आई है जब महीनों बाद पहली बार दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को स्थिर मार्ग पर लाने का गंभीर प्रयास शुरू हुआ है।

मोदी ने ट्रंप की शुभकामनाओं का धन्यवाद करते हुए वॉशिंगटन के साथ "व्यापक और वैश्विक साझेदारी" को मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया और यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में अमेरिकी प्रयासों का समर्थन किया। वहीं, ट्रंप ने मोदी की सराहना करते हुए कहा कि वे "बेहतरीन कार्य" कर रहे हैं और उन्होंने भारत की रचनात्मक भूमिका को रेखांकित किया, जो कूटनीतिक पहलों को समर्थन देती रही है।

इस सार्वजनिक सद्भावना के साथ एक ठोस प्रगति भी हुई। पहली बार, कठोर टैरिफ उपायों, जैसे भारतीय आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क और रूस से तेल खरीद पर 25 प्रतिशत लेवी के बाद, दोनों देशों के व्यापार वार्ताकार मंगलवार को आमने-सामने बैठे। अमेरिकी अधिकारियों ने इन चर्चाओं को "सकारात्मक" बताया, जबकि नई दिल्ली में इसे एक अहम शुरुआत माना गया, जो यह संकेत देता है कि दोनों पक्ष अब गिरते संबंधों को संभालने और साझा समाधान तलाशने के लिए इच्छुक हैं।

यह प्रगति ऐसे समय में आई है जब वॉशिंगटन से सख्त बयानबाज़ी सामने आ रही थी। कुछ दिन पहले ही अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने चेतावनी दी थी कि अगर भारत अमेरिकी कॉर्न की खरीद नहीं बढ़ाता, तो उसे अमेरिकी बाजारों तक पहुंच खोने का खतरा हो सकता है। ऐसे में अचानक रुख का नरम होना यह दर्शाता है कि भले ही दोनों देशों की स्थिति मजबूत हो, फिर भी यह मान्यता बन रही है कि लंबे समय तक टकराव दोनों की अर्थव्यवस्थाओं के हित में नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- शायद इस बार ठोस प्रगति के संकेत से तो लगते हैं, क्योंकि दोनों ने लम्बे समय से लटकते हुए व्यापारिक समझौते की वार्ता के कई दौर के बाद यह तो महसूस कर लिया है कि लम्बा लटकाने से किसी को फायदा नहीं। इससे केवल माहौल विषाक्त ही होता है।
- अतः, नये टैरिफ के बाद, दोनों के रिश्ते इतने खराब हो गये थे कि अब तो बातचीत की खबरें आना ही बंद सा हो गया था।
- पर, अब अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल का ट्रंप के फोन के बाद, बातचीत के लिए वापस भारत आना, यह संकेत तो है ही कि दोनों देशों के समझौते के बारे में इतने गंभीर प्रयास पहले नहीं हुए थे।

ईवीएम पर उम्मीदवारों के रंगीन फोटो दिखेंगे

नयी दिल्ली, 17 सितंबर। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने इसी साल कराये जाने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मीशनी (ईवीएम) पर लगाये जाने वाले मतपत्रों पर उम्मीदवारों के नाम के साथ उनकी रंगीन तस्वीरें भी रखेगा।

भविष्य में अन्य विधानसभा चुनावों और आम चुनाव में भी ईवीएम मतपत्रों में ये संशोधन दिखेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनाव से इसकी शरुआत कर रहा है उसके बाद पूरे भारत में ऐसा ही होगा।

विचार बिन्दु

संसार के विरुद्ध खड़े रहने के लिए शक्ति प्राप्त करने की जरूरत नहीं है। ईसा दुनिया के खिलाफ खड़े रहे, बुद्ध भी अपने जमाने के खिलाफ गए, प्रहलाद ने भी वैसा ही किया। ये सब नम्रता के धनि थे। अकेले खड़े रहने की शक्ति नम्रता के बिना असंभव है। –महात्मा गाँधी

मानसूनी बारिश ने बिगाड़ी सड़कों की सूरत : दीपावली से पूर्व मरम्मत के निर्देश

राजस्थान में इस वर्ष मानसून में हुई भारी वर्षा ने राज्य के सम्पूर्ण सड़क नेटवर्क को बुरी तरह क्षत-विक्षत करके रख दिया। बारिश का दौर थमने के बाद अब सडकों के गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे है। सडकों का देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। सडकों का आधारभूत ढांचा हमारी अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ आधार है। प्रदेश भर से मिली जानकारी के अनुसार मानसूनी बारिश ने नगरीय और ठामीण सडकों को जगह जगह से तोड़ कर रख दिया। वाहनों के साथ पैदल चलने वालों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। हालांकि राज्य सरकार ने इन टूटी-फूटी सडकों की दीपावली से पूर्व मरम्मत के निर्देश जारी किये है। मंत्रियों और अफसरों ने मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप सडकों को ठीक करने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए है। प्रदेशभर में करीब 35 हज़ार किलोमीटर सडकें क्षितठास्त होने की जानकारी मिली है। इनमें करीब पांच हजार किलोमीटर स्टेट हाईवे को क्षति पहुंची है। प्रदेश में करीब 17 हजार किलोमीटर स्टेट हाईवे हैं। इसी तरह करीब सात हजार किलोमीटर मुख्य जिला सडकों और करीब 23 हजार किमी अन्य सडकों को भी भारी नुकसान हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य सरकार ने आंकडे जुटाकर करीब 1500 करोड रुपए खर्च कर सडकों को दिवाली से पहले ठीक करवाने की कोशिश रहेगी। कई जिलों में पांच साल की गारंटी वाली सड़के, दो साल में ही टूट गई। ग्रामीणों के अनुसार बारिश ने घटिया सडकों के निर्माण और कमीशन बाजी की पोल खोलकर रख दी है। हालांकि भजन लाल सरकार ने सडकों से सम्बद्ध सभी विभागों को वर्षा से क्षतिग्रस्त सडकों को दीपावली से पूर्व ठीक करने के निर्देश दिए है। उप मुख्यमंत्री दियाकुमारी ने अधिकारीयों को लगातार फील्ड में रहकर सडक कार्यों की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए है। राष्ट्रीय उच्च मार्गों की सडकों को छोड दें तो प्रदेश के नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में सडकें क्षत-विक्षत हैं। सम्बन्ध सरकारी एजेंसियां हर साल सडकों के निर्माण और मेंटनेंस पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है लेकिन सडकों पर गड्ढे होने से जहां इन पर चलना मुश्किल है वहीं यह गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे है। फिलहाल प्रदेशभर में सडकों पर चल रहा पेचवर्क का कार्य मुख्य सडकों तक सीमित है। गली-मोहल्लों की सडकों की अभी सुध-बुध नहीं ली गई है। राजधानी जयपुर में भारी वर्षा ने सडकों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त करके रख दिया है।

जयपुर प्रदेश की राजधानी है। यहाँ हजारों वाहन सड़कों पर प्रतिदिन विचरण करते हैं। इन सड़क मार्गों पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री और अन्य वी.आई.पी. लगभग रोज ही आते-जाते हैं। यहाँ छोटी-मोटी मिलाकर हजारों सड़कें हैं जो समुचित देख-रेख के अभाव में घायल अवस्था में पड़ी हैं। जे.डी.ए. और नगर निगम के सड़क मरम्मत के वाहन कहीं-कहीं देखने को मिल जायेंगे मगर गुणवत्ता के अभाव में इनके लगाये पैबंदों की स्थिति कुछ ही दिनों में पुरानी स्थिति में लौट आती है। राजधानी की सड़कों की यह स्थिति है तो प्रदेश की जिला, नगर और ग्रामीण सड़कों का सहज ही अन्दाज लगाया जा सकता है।

बडे-बडे खड्डे और गड्ढों ने आमजन और वाहनों के लिए खतरे का एलान कर दिया है। कई जगह सडकें बह जाने की जानकारी मिली है। सडक दुर्घटनाएं बढने लगी है। हेलमेट नहीं लगाने, नो पार्किंग में गाडी खडी करने, रोड टैक्स नहीं भरने पर आम लोगों के खिलाफ फौरी कार्यवाही हो जाती है जबकि सडक के गढ्ढों के कारण सभी वाहनों में मेंटेनेंस बढ जाता है, टूटी सडकों के कारण लोग हादसों का शिकार हो रहे है लेकिन इसकी परवाह किसी को नहीं है। यह हाल तब है कि जब राजधानी में हर वीवीआईपी मूवमेंट के समय सडकों की मरम्मत के नाम पर कुछ चुनिदां सडकों का ही बार-बार मेटनेंस किया जाता है, बाकी राजधानी की सडकें बदहाल हालत में है। राजधानी की यह स्थिति है तो जिला, नगरीय और ग्रामीण सडकों का सहज ही अन्दाजा लगाया जा सकता है। वर्षात की बात एक बारगी छोड भी दें तो भी आये दिन किसी न किसी विभाग की खुदाई ने सडकों को तहस नहस कर रखा है। नगरों और महानगरों की सडकों पर अतिक्रमण किसी से छिपा नहीं है। यूनेस्को द्वारा घोषित राजधानी जयपुर की वर्ल्ड हेरिटेज सीटी का हाल भी सही नहीं कहा जा सकता जहाँ बाजारों में सरेआम सडक मार्गों पर हुए अतिक्रमणों ने लोगों का जीना हराम कर रखा है।

सडकें हमारे परिवहन का मुख्य साधन हैं। जहाँ हर रोज हमारे लाखों व्यवसायिक और निजी वाहन सरपट सडकों पर दौडते हैं। सडक परिवहन ने सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है। कम एवं मध्यम दूरियाँ के लिए यह यातायात का सर्वाधिक सुगम एवं सस्ता साधन भी हैं। वास्तव में यह सेवा परिवहन के अन्य साधनों की सहायक है, क्योकि इसकी विश्वसनीयता, शीघ्रता, लचीलापन एवं दरवाजे तक प्रदान की जाने वाली सुविधा काफी महत्तवपूर्ण भूमिका निभाती है। वर्तमान राज्य सरकार ने शासन व्यवस्था सम्भालते ही यह घोषणा की थी कि सडकों की प्राथमिकता से सार-संभाल की जायेगी और जन भावनाओं के अनुरूप निर्माण और जीर्णोद्धार का कार्य हाथ में लेकर सर्वसाधारण को राहत दी जायेगी। मगर आज भी आप भी राज्य के किसी भी शहरी-ग्रामीण मार्ग पर चले जाइये आपको सडकों की वास्तविकता का ज्ञान हो जायेगा। जयपुर प्रदेश की राजधानी है। यहाँ हजारों वाहन सडकों पर प्रतिदिन विचरण करते हैं। इन सड़क मार्गों पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री और अन्य वी.आई.पी. लगभग रोज ही आते-जाते हैं। यहाँ छोटी-मोटी मिलाकर हजारों सडकें हैं जो समुचित देख-रेख के अभाव में घायल अवस्था में पडी हैं। जे.डी.ए. और नगर निगम के सडक मरम्मत के वाहन कहीं-कहीं देखने को मिल जायेंगे मगर गुणवत्ता के अभाव में इनके लगाये पैबंदों की स्थिति कुछ ही दिनों में पुरानी स्थिति में लौट आती है। राजधानी की सडकों की यह स्थिति है तो प्रदेश की जिला, नगर और ग्रामीण सडकों का सहज ही अन्दाज लगाया जा सकता है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल गुरूवार 18 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, पुष्य नक्षत्र प्रात: 6:33 तक, शिव योग रात्रि 9:37 तक, कौलव करण दिन 11:32 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि अमृत सिद्धि और गुरू पुष्य योग सूर्योदय से प्रात: 6:33 तक है। आज द्वादशी का श्राद्ध है और सन्यासियों का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:48 तक, चर 10:50 से 12:21 तक, लाभ-अमृत 12:21 से 3:23 तक, शुभ 4:54 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:17, सूर्यास्त 6:25

मेष
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ बनी रहेगी। मन में असंतोष और भय बना रहेगा।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। मन में भय बना रहेगा। यात्रा में दुर्घटना का भय है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन: स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

भारत की गौरवशाली यात्रा का स्वर्णिम युग

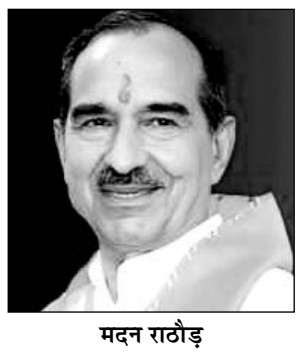

मदन राठौड़

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्मदिवस पर सम्पूर्ण राजस्थान की जनता और भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उनका जीवन संघर्ष, अनुशासन, संवेदनशीलता और अविरल राष्ट्रसेवा का एक अद्वितीय उदाहरण है। एक साधारण स्वयंसेवक से भारत के प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक यात्रा में मोदीजी ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, संकल्पशक्ति और राष्ट्र प्रथम भावना के द्वारा पूरी दुनिया को भारत की शक्ति का अहसास कराया है। उनका दृढ़ संकल्प भारत माता का शीश कभी झुकने नहीं दूंगा हर भारतीय के मन में विश्वास की अलख जगाता है।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपने दीर्घ व प्रेरणादायी सार्वजनिक जीवन में भारतीय समाज को एक नई दिशा देने का कार्य किया। 140 करोड़ भारतीयों की सेवा, देश को एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने का उनका सपना और प्रयास सराहनीय है। उनके नेतृत्व में भारत ने न केवल राजनीतिक दिशा-निर्देशों को नये आयाम दिए, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय पहचान को भी एक नई ऊँचाई पर पहुँचाया। उनकी सोच, दूरदृष्टि और निर्णय क्षमता के परिणामस्वरूप आज भारत हर क्षेत्र में एक मजबूत, विकसित और आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में उभर कर सामने आया है।

मोदी जी के नेतृत्व में हुए आर्थिक सुधार ऐतिहासिक रहे हैं। जैसे- जीएसटी क्रियान्वयन, नोटबंदी का साहसिक निर्णय, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, मुद्रा योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी अनेक पहलों ने देश की सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था को मजबूत किया है। जन-जन तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने के लिए जनधन योजना के ज़रिए करोड़ों लोगों को देश की आर्थिक मुख्यधारा में जोड़ा गया। हर भारतीय को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए की गई नीति-निर्माण की ये दूरगामी सोच उन्हें एक सच्चे जननेता के रूप में स्थापित करती है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी प्रधानमंत्री मोदी जी की छवि एक साहसी और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित हुई है। पाकिस्तान जैस दुश्मन देशों के प्रति उनकी प्रबल नीति से लेकर, आतंकवाद एवं नक्सलवाद के खिलाफ उनके निर्णायक कदमों ने भारत की सुरक्षा को और सुदृढ़ किया। वैश्विक नेतृत्व में उन्होंने भारत की साख बढ़ाई और तमाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज बुलन्द की। रक्षा, अंतरिक्ष और तकनीक के क्षेत्रों में उनकी योजनाओं ने देश को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है।

सामाजिक और सांस्कृतिक मोर्चे पर भी मोदी जी ने प्रेरक कार्य किए हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में महिला आरक्षण जैसे ऐतिहासिक कदम, स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना और जल जीवन मिशन ने समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। भारतीय संस्कृति, कला और आध्यात्म का पुनरुत्थान करते हुए प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश को गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने का कार्य किया है।

आज, जब हमारे प्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, हमें विश्वास है कि उनकी अडिग नेतृत्व क्षमता, गहन राष्ट्रभक्ति और लोककल्याण के प्रण से भारत आने वाले दशकों में विश्व के सर्वोच्च राष्ट्रों की कतार में खड़ा होगा। सम्पूर्ण भाजपा परिवार एवं राजस्थान की तरफ से उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की मंगलकामना करता हूँ। मोदी जी का योगदान, सोच और मार्गदर्शन हमेशा देश के लिए प्रेरणा की अलौकिक मिसाल बना रहेगा।

–मदन राठौड़,
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

कब होगा सम्पूर्ण साक्षर राजस्थान?

राजेन्द्र जोशी

साक्षरता से व्यक्ति के भीतर जीवन मूल्यों की स्थापना और उन्हें सजग और जागरूक नागरिक भी बनाती है। इस बड़े फलक को दो दशक पहले केरल ने हासिल कर लिया और अब तो केरल डिजिटल साक्षर भी बन गया। नवीन और चुनौति भरे दौर में हिमाचल प्रदेश ने इस दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पिछले दिनों पहाड़ से एक सुकून भरा समाचार मिला । पहाड़ों की रानी शिमला और पहाड़ों के बीच बसा हुआ हिमाचल प्रदेश विपरीत परिस्थितियों के बावजूद संपूर्ण साक्षर हो गया। हिमाचल प्रदेश की परिस्थितियां हम सभी जानते हैं कि एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में कितनी मुश्किल होती हैं।

सफर सुहाना है, परन्तु दुरूह है। पहाड़ों में एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए अधिकतर पैदल ही चलना पड़ता है। हिमाचल प्रदेश की सात प्रतिशत से सम्पूर्ण साक्षरता तक की यात्रा का सफर बहुत चुनौतिपूर्ण रहा है। यह कार्य स्कूल शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में पूर्ण किया गया । मुश्किल सफर का सुखद पहलू 2025 में शत-प्रतिशत साक्षरता से रहा। इन दिनों साक्षरता के अच्छे समाचार मिल रहे हैं। केरल के बाद मिजोरम, त्रिपुरा फिर गोवा और अब हिमाचल प्रदेश सम्पूर्ण साक्षर हो गए। दो दशक पहले वर्ष 1991 में मुझे केरल के साक्षरता अभियान के नजदीक से देखने का अवसर मिला। वहां के सरकारी और गैर सरकारी लोगो का समर्पण गजब था।

लगभग दो दशक से भी पहले देश ने संपूर्ण साक्षरता की परिकल्पना की थी। वह समय देशभर में चुनौती भरा था। जब भारत की साक्षरता दर दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले बहुत कम थी। देश में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना की गई। धीरे-धीरे लगभग सभी राज्यों में सम्पूर्ण साक्षरता के लिए जोरदार काम प्रारंभ हुआ। इसके लिए राज्यों ने साक्षरता के लिए कार्य योजना का निर्माण किया और प्रदेशों में बेहतरीन कार्य हुआ। पिछले एक दशक से भारत सरकार ने साक्षरता की ज़िम्मेदारी पूरी तरह राज्यों के हवाले कर दी। ऐसे में अनेक राज्य सरकारों ने स्वप्रेरणा से साक्षर होने के लिए बेहतरीन काम किया। और राज्य सम्पूर्ण साक्षर हो रहे है।

अधिकांश राज्यों में यह कार्य स्कूल शिक्षा निदेशालय अथवा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के माध्यम से किया जा रहा है। राजस्थान उन सौभाग्यशाली राज्यों में जहां साक्षरता के लिए स्वतंत्र विभाग स्थापित किया गया। राजस्थान में प्रौढ शिक्षा निदेशालय जनवरी 1979 में स्थापित हुआ। और इसी प्रकार प्रत्येक जिले में विभाग खोले गये। स्वतंत्र विभाग होने के बावजूद राजस्थान की साक्षरता दर चिंताजनक है। राजस्थान उन राज्यों में शुमार है जहां साक्षरता के क्षेत्र में प्रदेश की गिनती नीचे से की जाती है। हमे उन प्रदेशों से सीखना चाहिए जहां विपरीत परिस्थितियों के बावजूद साक्षर होने की होड मची है। स्वतंत्र विभाग होने के बावजूद साक्षरता उस विभाग की भी प्राथमिकता में नहीं है । जब से साक्षरता भारत सरकार के अभियान से कार्यक्रम बना है तब से राजस्थान का साक्षरता एवं सतत शिक्षा निदेशालय हाथ पर हाथ धरे बैठा है। राज्य की स्वतंत्र कार्य योजना बनाने में असफल रहा है। यह कमजोरी सरकारों की नहीं है बल्कि निदेशालय जैसी मूल संस्था की असफलता मानी जानी चाहिए।

स्वतंत्र विभाग जिसके पास निरक्षरता उन्मूलन के अतिरिक्त कोई अन्य कार्य नहीं है। स्वतंत्र विभाग की सफलता तब मानी जाती जब राजस्थान सम्पूर्ण साक्षर प्रदेश बनता।

जबकि देश के अन्य प्रदेशों में स्वतंत्र विभाग स्थापित नहीं हैं। वहां यह कार्य अन्य विभागों के जिमे दिया गया है। राजस्थान में संसाधनों की उपलब्धता और प्रशिक्षित मानव तंत्र होने के बावजूद निदेशालय द्वारा किसी भी प्रकार की प्रभावी कार्य योजना नहीं है। पिछले दो दशक से राज्य के साक्षरता एवं सतत शिक्षा निदेशालय को सरकारों ने भी जानने का प्रयास नहीं किया आप क्या काम कर रहे हो।

जहां हिमाचल प्रदेश 7 प्रतिशत से शत-प्रतिशत तक पहुँच गया, वही राजस्थान 8.95 प्रतिशत से 2011 की जनगणना में 66.11 प्रतिशत तक आकर अटक गया। राजस्थान की साक्षरता वृद्धि दर तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो 2001 से 2011 के दशक में मात्र 5.71 प्रतिशत की वृद्धि कर सका। जिस समय राजस्थान में संपूर्ण साक्षरता अभियान भारत सरकार के सौजन्य से प्रारंभ हुआ था। देश भर में यह अभियान स्वतंत्रता आंदोलन के बाद पहली बार सभी जिलों में आयोजित किया गया। 1991-2001 के दशक में राजस्थान की वृद्धि दर 21.85 प्रतिशत रही थी। राजस्थान के साक्षरता निदेशालय ने उस वृद्धि दर को बरकरार रखना तो दूर आधे तक भी नहीं पहुँच सका। राजस्थान में 2001 के बाद के दशक में लगभग साक्षरता को कार्यक्रम बनाकर रख दिया। जो रेंगता चल रहा है। राजस्थान के लिए उजला पक्ष यह है की 1991 से 2001 के दशक में राजस्थान ने साक्षरता दर में क्वांटम जंप लिया, वही अनेक जिलों को सत्यैन मैत्रेय पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका हैं । साक्षरता के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय यूनेस्को कन्फ्यूशियस पुरस्कार 2006 से राजस्थान को सम्मानित किया गया था।

अगर तुलनात्मकता की बात करेंगे तो पुरुष साक्षरता दर में इस दशक में मात्र 3.50 प्रतिशत और महिला साक्षरता दर में है 8.27 प्रतिशत की वृद्धि अंकित की गई थी। कोटा जिले को छोड़कर शेष राज्य में वर्ष 2010 में केवल ग्रामीण क्षेत्र में किए गए सर्वेक्षण के दौरान साक्षर भारत पोर्टल पर 12520777 असाक्षर चिन्हित किए गए थे। इन असाक्षरों को अभियान के रूप में योजनाबद्ध तरीके से संकल्पित होकर साक्षर किया जाना था।

पीएलएफएस की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान की साक्षरता दर 2025 में 75.8 प्रतिशत के साथ नीचे से चौथे नंबर पर आता है। एक सुकून देने वाली बात राजस्थान के लिए जरूर है कि पहले हम नीचे से दूसरे नंबर पर थे और अब 2025 के सैंपल सर्वे में हम चौथे स्थान पर आ चुके हैं।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

"नेशनल ट्राईबल फूड फेस्टिवल- 2025" का उदयपुर में भव्य आगाज़

उदयपुर, (निसं)। झीलों की नगरी उदयपुर इन दिनों देशभर के परंपगरात जनजाति व्यंजनों की खुशबू से सुवासित हो रही है। नगर निगम परिसर में कहीं चूल्हे पर मिट्टी के बर्तनों में दाल-सब्जी पक रही हैं, तो कहीं ढाक के पतों के बीच मक्की के पानिये पक रहे हैं। रागी, कोदरा, वटी जैसे मोटे अनाजों के व्यंजनों और महुआ के फुलों के ढोकले और लड्डू का चटकारा मिल रहा है तो बांस की सब्जी चखने के लिए होड़ सी मच रही है। यह सभी दृश्य नगर निगम परिसर में बुधवार से शुरू हुए तीन दिवसीय नेशनल ट्राईबल फूड फेस्टिवल - 2025 में देखने को मिल रहे हैं।

केबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी सहित अन्य अतिथियों ने व्यंजनों की जानकारी ली।

■ **परंपरागत जनजाति व्यंजनों की खुशबू से सुवासित हो उठी झीलों की नगरी**

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे जनजातीय गौरव वर्ष के तहत देश भर में विविध आयोजन हो रहे हैं। इसी क्रम में उदयपुर में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग एवं माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के तत्वावधान में तीन दिवसीय नेशनल ट्राईबल फूड फेस्टिवल का शुभारंभ बुधवार को नगर निगम परिसर में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। विशिष्ट अतिथि उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन एवं उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा रहे। फेस्टिवल में राजस्थान सहित देश के 7 राज्यों से जनजाति समाज के पाक कलाकार भाग लेकर अपने-अपने क्षेत्र के विशिष्ट परंपरागत जनजाति व्यंजन तैयार कर प्रदर्शित कर रहे हैं। फेस्टिवल में प्रवेश पूरी तरह से नि:शुल्क है। आमजन स्टाल्स पर अपनी पसंद से खाद्य सामग्री खरीद कर उसका लुत्फ उठा सकते हैं। आयोजन स्थल पर व्यंजनों का आनंद लेने के लिए डाइनिंग एरिया की भी व्यवस्था रखी गई है।

समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि यह फेस्टिवल व्यंजनों के स्वाद के साथ सांस्कृतिक संगम का भी सुअवसर है। इसके माध्यम से लोग एक दूसरे की संस्कृति को जान सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक भारत-श्रेष्ठ भारत के लक्ष्य को लेकर चल रहे हैं। इसी क्रम में यह आयोजन हो रहे हैं।

केबिनेट मंत्री ने पारंपरिक खान-पान का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों का भोजन और दिनचर्या स्वास्थ्यवर्धक थी, इसलिए लोग बीमार कम होते थे, लेकिन अब खान-पान में आए बदलाव और विकृतियों के चलते स्वास्थ्य संबंधी शिकायतें ज्यादा होने लगी हैं। उन्होंने परंपरागत खाद्य प्रणाली को अपनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नेशनल ट्राईबल फूल फेस्टिवल भारत की सांस्कृतिक विविधता को उजागर करते हुए इन विविधताओं को एक सूत्र में पिरोने का मंच भी सिद्ध होगा। उद्घाटन समारोह को विधायक तारांचद जैन ने भी संबोधित किया।

प्रारंभ में टीआरआई निदेशक ओपी जैन ने आयोजन की जानकारी दी। कार्यक्रम में जनजाति बालिकाओं ने नृत्य, गीत आदि की प्रस्तुतियां भी दी। समारोह में टीएडी उपायुक्त कृष्णपालसिंह चौहान, जितेंद्र पाण्डे, निदेशक सांख्यिकी सुधीर दवे सहित अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए पाक कलाकार उपस्थित रहे। संचालन अतिरिक्त जिला शिक्षाधिकारी टीएडी डॉ. अमृता दाधीच ने किया। केबिनेट मंत्री खराड़ी सहित अतिथियों ने विभिन्न स्टाल्स का अवलोकन कर प्रदर्शित व्यंजनों के बारे में जानकारी ली। साथ ही जनजाति पाक कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

फूड फेस्टिवल में महाराष्ट्र के महादेव कोली जनजाति के मासवडी, डांगर भाकरी, कड़क माकरी, मध्यप्रदेश से बारेला, बेगा, मलासी जनजाति द्वारा लाल ज्वारी के लड्डू, जंगली मौसंबी भाजी, कुटकी भात, जम्मू कश्मीर से गुज्जर जनजाति द्वारा कद्दू खीर, कुंगी मुकुम, दादर एवं नगर हवेली से माण्डोनी जनजाति द्वारा बेम्बू अचार, नागली रोटी, मोरींगा भाजी, छत्तीसगढ़ से हालना एवं मुरीया जनजाति द्वारा मंडिया रोटी, आमल, चापड़ा चटनी, गुजरात से घोड़िया जनजाति द्वारा नागली से तैयार विभिन्न व्यंजन तथा राजस्थान के विभिन्न जनजाति बहुल जिलों से भील, मीणा, गरासिया एवं सहरिया जनजाति के पाक कलाकारों द्वाना कुलध की घूघरी, मक्के का खींचड़ा, मक्की राब व लापसी, कुआर, किकोड़े की भाजी, बाजरा राब, बाजरी का सोगरा, महुआ के ढेकले, महुआ के लड्डू, पानिया, केर सांगरी (पंचकुटा) इत्यादि व्यंजन तैयार किए जा रहे हैं।

अवैध खनन पर कार्रवाई, 582 टन फैल्सपार जब्त

ब्यावर, (निसं)। जिला कलेक्टर कमल राम मीना के निर्देशों की पालना में खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम कुण्डिया, तहसील मसूदा में अवैध खनन स्थल पर अकस्मात छापामारी की। कार्रवाई के दौरान एक स्थान पर फैल्सपार खनिज का अवैध खनन होते पाया गया।

मौके पर हल्का पटवारी ने बताया कि यह अवैध खनन खसरा संख्या 16 की खातेदारी भूमि से सटी चारागाह भूमि खसरा संख्या 3006/15 में हो रहा था। जांच में खुलासा हुआ कि यह अवैध खनन महेन्द्र सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी चांदा का बाड़िया, तहसील मसूदा, जिला ब्यावर एवं खसरा संख्या 16 के खातेदारों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। टीम ने मौके पर अवैध खनन पिट का नाप-जौक किया, जिसमें पाया गया कि लगभग 20 मीटर लम्बाई, 7 मीटर चौड़ाई एवं 2 मीटर गहराई में खुदाई की गई है। इस आधार पर लगभग 582.4 टन फैल्सपार खनिज का अवैध निर्गमन होना सामने आया। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि खातेदारों एवं खननकर्ता द्वारा आपसी सहमति से यह अवैध खनन किया जा रहा है। इस पर 7.18 लाख रुपये की पेनल्टी आरोपित की गई है तथा संबंधित खननकर्ता एवं खातेदारों के विरुद्ध पुलिस थाना सदर में एफ.आई.आर. दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। खातेदारी अधिकार निरस्तीकरण की कार्रवाई भी प्रस्तावित है।

■ **खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों ने 7.18 लाख की पेनल्टी लगाई**

जिला कलेक्टर कमलराम मीना ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जिले में अवैध खनन किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए दोषियों पर कड़ी प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कार्रवाई के दौरान वन विभाग की टीम तैनात रही।

सार-समाचार

शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण

करौली । अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल ने बुधवार को नगर परिषद करौली में शहरी सेवा शिविर व पंचायत समिति मंडरायल की ठााम पंचायत लांगरा व बुगडार में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी व ठाामीणों से हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील भी की। उन्होंने शिविर में आये आमजन के विभिन्न परिवादों का त्वरित निस्तारण भी करवाया। शिविर में निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने सभी विभागाधिकारियों को प्रत्येक दिन की प्रगति रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में ऑनलाईन पोर्टल पर अपलोड करने व अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित कर राहत प्रदान करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को शिविरों में समय पर उपस्थित होकर पखवाडे को सफल बनाने के निर्देश भी दिये। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने राजस्व, शिक्षा, चिकित्सा, जल संसाधन, कृषि, महिला एवं बाल विकास, ठाामीण विकास, पंचायतीराज सहित अन्य विभागों द्वारा संबंधित स्टॉल पर दी जा सेवाओं का जमीनी स्तर पर जायजा लिया व आमजन को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने वहां उपस्थित लोगो से विभिन्न योजनाओं के तहत मिल रहे लाभ के बारे में जाना। इस दौरान उपखंड अधिकारी एवं नगर परिषद आयुक्त प्रेमराज मीना सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बडी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

वैष्णव समाज ने की मुख्यमंत्री से चर्चा

करौली । मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से वैष्णव समाज के प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधि मंडल की सामाजिक मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।जिसमें समाज के उत्थान एवं समाज की समस्याओं पर चर्चा हुई मुख्यमंत्री ने समाज की समस्याओं पर शीघ्रता से प्रयास करके समस्याओं का समाधान का आश्वासन दिया।तथा वैष्णव समाज का योगदान सभी क्षेत्रों में समाज व सनातन हित में रहा। इसके लिए भी बहुत प्रशंसा की । वैष्णव समाज के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री का स्वागत अभिनंदन किया।जिसमें विभिन्न जिलों से आए हुए वैष्णव बंधुओ के साथ महिलाएं भी शामिल थी। करौली जिले से श्रीमती विद्या वैष्णव ने मुख्यमंत्री को कैला देवी जी की चुनरी ओढाकर सम्मान किया एवं श्री राधा मदन मोहन जी का प्रसाद भेंट किया। सांवरिया सेठ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष जानकी दास ने दुपट्टा उडा कर सांवरिया सेठ का प्रसाद व विभिन्न जिलों से आए हुए सभी बंधुओ ने अपने-अपने क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलो की दुपट्टा प्रसाद तस्वीर आदि से मुख्यमंत्री का अभिनंदन स्वागत किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने आवास पर वैष्णव समाज को बुलाया समाज के लिए इतना सोचा और समय दिया इसके लिए राजस्थान प्रदेश का वैष्णव समाज मुख्यमंत्री का हार्दिक साधुवाद आभार व्यक्त करता है। इस बैठक में राजस्थान के लगभग सभी जिलों से प्रतिनिधि पधारे और सभी का परिचय हुआ सभी ने स्वागत किया बाद में संभाग स्तर पर भी स्वागत करने का मौका मिला।भरतपुर संभाग से करौली से प्रमोद शर्मा, विद्या वैष्णव, सवाई माधोपुर गंगापुर सिटी से जमनालाल वैष्णव, मुरारी लाल वैष्णव आदि ने श्री खाटू श्याम जी की तस्वीर देकर स्वागत किया।

पंचम नवरात्र महोत्सव 22 से

हिंडौन सिटी। श्री भुमिया बाबा भक्त मण्डल किशन नगर हिंडौन सिटी के तत्वाधान एवं श्री जयानंद सरस्वती महाराज के सानिध्य में भुमिया बाबा मन्दिर किशन नगर हिंडौन सिटी में 22 सितंबर से पंचम नवरात्र महोत्सव का आयोजन धूम धाम से किया जावेगा। भक्त मण्डल से जुड़े प्रत्येक गोयल एडवोकेट ने बताया कि गत वर्षों की भाँति इस बार भी नवरात्रा महोत्सव का आयोजन किया जा है, जिसमें प्रथम दिन नई मंदिर शिवालय से मंदिर परिसर तक कलश यात्रा निकाली जाएगी। नौ दिन तक माता रानी के अलग अलग रूपों की पूजा अर्चना की जाएगी। रोज संध्या 7.30 बजे माता रानी की आरती होगी एवं सजीव झांकियों का आयोजन किया जाएगा। 27 सितंबर को जगराता, 29 सितंबर को छप्पन भोग एवं फूल बंगला झांकी का आयोजन किया जाएगा।

करणपुरधाम बस यात्रा 28 को

गंगापुर सिटी । माँ गुमानो बिजासनी देवी सेवा समिति के तत्वाधान में मासिक बस यात्रा 28 सितंबर आश्विन मास सुदी छठ रविवार को गंगापुर सिटी से दोपहर 1.3०बजे नई थोक फल सब्जी मंडी उदेई मोड से रवाना होकर शाम 5 बजे करणपुर धाम पहुँचेगी। यात्रा संयोजक दिनेश चूडी ने बताया कि बरसात में घाटी खराब होने के कारण बारिश आने पर बस घाटी पर खडी होती है तो यात्री स्वयं उतरेगा और चढेगा समिति की व्यवस्थाओं में यात्रियों से समिति सहयोग अपेक्षा करती है। समिति अध्यक्ष महेश चंद शर्मा, महामंत्री गोपाल सोनी ने सभी माँ के भक्तों बस यात्रा संयोजक व समिति पदाधिकारियो से सम्पर्क कर सीट बुक कराने की अपील की है।

भारत को जानो क्विज प्रतियोगिता 21 को

करौली, (निंस.) भारत विकास परिषद् शाखा करौली के तत्वावधान में भारत को जानो क्विज प्रतियोगिता का दूसरा चरण रविवार 21 सितंबर को शिवा एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल हिंडौन गेट करौली में प्रातः 12 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस दौरान प्रभारी पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रथम चरण में विद्यालय स्तर पर आयोजित लिखित परीक्षा में आठ विद्यालयों के सीनियर वर्ग में 325 तथा जूनियर वर्ग में 402 विद्यार्थियों ने भाग लिया था।द्वितीय चरण क्विज में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की मौखिक प्रश्नोत्तरी आयोजित होगी।परिषद् के जिला समन्वयक राजेन्द्र दीवान ने बताया कि विद्यार्थियों में भारत देश की संस्कृति, धर्म, महापुरुष, भूगोल, स्वतंत्रता संठााम, विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त उपलब्धियों की रोचक तरीके से जानकारी देने एवं उन पर गर्व की भावना पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

मोदी के जन्मदिन पर गायों को चारा खिलाया

करौली । भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत बुधवार को करौली शहर मंडल में स्थित यादव बाटी गौशाला में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा गायों को हरा चारा खिलाकर एवं गायों की सबामणि कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन मनाया। इस दौरान शहर मंडल करौली में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी किया गया तथा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की इस दौरान जिला महामंत्री सुरेश शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष योगेश शर्मा ,अजय पाल, जिला मंत्री आरती बैसला, नगर परिषद सभापति प्रतिनिधि सुशील शर्मा, निवर्तमान जिला महामंत्री धीरेंद्र बैसला, मंडल महामंत्री आशीष जैन, तेजेंद्र सिंह जादौन,मंडल उपाध्यक्ष विक्की गुरु, धन सिंह चौहान, उत्तम सिंह जादौन, विद्या वैष्णव, वूथ अध्यक्ष आशुतोष जैन,लोकमानी वैष्णव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेमिनार का आयोजन

गंगापुर सिटी । मित्तल आदर्श उच्च माध्यमिक स्कूल, मिर्जापुर में बुधवार को भारत विकास परिषद शाखा गंगापुर सिटी ने गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर एक मोटिवेशनल सेमिनार भी आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। शाखा अध्यक्ष राजेंद्र खारवाल ने भारत विकास परिषद के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यों की जानकारी दी। डॉ. धर्मेंद्र मित्तल ने परिषद के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में गुरुजनों और माता-पिता के प्रति आदर-सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं, जो उनके सफल जीवन की आधारशिला है।कार्यक्रम संयोजक मदनमोहन आर्य ने गुरु के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि गुरु के ज्ञान से ही विद्यार्थी उच्च जीवन की ओर बढ़ते हैं। गोविंद दीक्षित ने छात्रों को अच्छे संस्कार अपनाने और आत्मविश्वास बनाए रखने का संदेश दिया। स्कूल की मेधावी विद्यार्थियों नेहा गुर्जर, नीरज गुर्जर, अर्चना गुर्जर, अन्वी गुप्ता, दिव्या जोशी, हर्षित शर्मा, साक्षी मीणा, हेमलता गुप्ता और कोमल माली को स्मृति चिन्ह, श्रीफल, तिलक और दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों राकेश कुमार शर्मा और योगेश शर्मा को भी सम्मानित किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. धर्मेंद्र मित्तल को गंगापुर सिटी तहसील में निर्धन वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और हिंदी माध्यम में श्रेष्ठ स्कूल संचालित करने के लिए विशेष सम्मान दिया गया।कार्यक्रम के अंत में डॉ. मित्तल ने परिषद के इस प्रेरणादायी प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत होते हैं। कार्यक्रम का संचालन मदनमोहन आर्य ने किया और अंत में शाखा अध्यक्ष राजेन्द्र खारवाल ने सभी अतिथियों और उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

मोदी के जन्म दिन पर सेवा पखवाड़े की शुरुआत, मरीजों को फल बांटे

हिण्डौन सिटी । भारतीय जनता पार्टी हिंडौन शहर मंडल के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिनसेवा पखवाड़ाकी शुरुआत कर मनाया। शहर मंडल अध्यक्ष बबली चतुर्वेदी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रातः 10 बजे जिला चिकित्सालय मोहन नगर पहुंचकर मरीजों को फल वितरण किया और सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई अभियान चलाया। इसके साथ ही राज्य सरकार केसशक्त नारी-समृद्ध नारी कैंप में पहुंचकर कैंप का जायजा लिया। दोपहर मेंसेवा पखवाड़ा आत्मनिर्भर-जीएसटी रिफार्म्सविषयक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

■ सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई अभियान चलाया। साथ ही राज्य सरकार के सशक्त नारी-समृद्ध नारी कैंप में पहुंचकर कैंप का जायजा लिया

भारतीय जनता पार्टी हिंडौन शहर मंडल के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़े की शुरुआत की।

कार्यक्रम के तहत 20 सितंबर को हिंडौन जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर, शक्ति केंद्रों पर निशुल्क चिकित्सा शिविर, हर बूथ पर स्वच्छता अभियान, धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई, वृक्षारोपण तथा खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। साथ ही जीएसटी रिफार्म्स के बारे में आमजन को जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष हेमेंद्र वशिष्ठ, जिलाउपाध्यक्ष गोपाल गुर्जर, जिला महामंत्री दिलीप गुप्ता, सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के जिला संयोजक तेज सिंह जमालपुर, सह संयोजक ललित शर्मा, अजय मित्तल, रामेश्वर धाकड़, अनिल गोयल, राधा मोहन पाठक, गिर्राज मित्तल, लज्जारानी, प्रहलाद शर्मा, जुगल चतुर्वेदी, मुकेश काका, सम्पत कोली, गणेश कोली, गजेंद्र राजपूत, सुबोध जैन, भूपेंद्र गुर्जर, गौरव चतुर्वेदी, सोंटू गोयल, सचिन गोयल, कृष्णा चौधरी, राजीव सहारिया, डॉ. दीपचंद कोली सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसडीएम कार्यालय के बाहर गंदगी से अटी नालियां

हिण्डौन सिटी । शहर के उपखंड अधिकारी कार्यालय के बाहर मुंसिफ कोर्ट जाने वाले मार्ग पर नालियां कचरे और कीचड़ से पूरी तरह अटी पड़ी हैं। जिसके कारण चारों तरफ बदबू फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात यह है कि कॉलोनीवासियों का जीना दूभर हो गया है और क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका मंडरा रही है। कॉलोनीवासियों श्रीलाल, दीना, दीपक, रामसिंह सहित अन्य लोगों ने बताया कि नालियों की सफाई लंबे समय से नहीं होने के कारण पानी का निकास बंद हो चुका है। इससे गंदगी में कीटाणुयुक्त मच्छर पनप रहे हैं। लोगों ने बताया कि सफाई निरीक्षक मौके पर स्थिति देखने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं करते। नगर परिषद प्रशासन की लापरवाही के चलते सफाई व्यवस्था के बड़े-बड़े दावे खोखले साबित हो रहे हैं।

विद्यार्थियों व स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण

हिंडौन सिटी । समीपवर्ती जगदीश धाम कैमरी स्थित राजकीय महाविद्यालय नादौती में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में, प्राचार्य डॉ. बल्लू राम मीणा के मार्गदर्शन एवं संयोजक मोनिका माल के संचालन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कैमरी के सहयोग से एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सीएचसी कैमरी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र हरसाना के पर्यवेक्षण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सीएचसी कैमरी के चिकित्सक डॉ. सिमरन पाल सिंह एवं डॉ. जितेन्द्र गुर्जर अपनी टीम सहित उपस्थित रहे। शिविर में केवल महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें विशेष रूप से बी.एम.आई. (बॉडी मास इंडेक्स) तथा हीमोग्लोबिन स्तर की जाँच की गई। साथ ही ज़रूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयाँ भी वितरित की गईं।

■ कैमरी के राजकीय महाविद्यालय में चिकित्सा शिविर का आयोजन

■ विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं जीवनशैली से सम्बन्धित उपयोगी परामर्श भी दिया

डॉ. सिमरन पाल सिंह एवं डॉ. जितेन्द्र गुर्जर ने आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं जीवनशैली से सम्बन्धित उपयोगी परामर्श भी दिया। शिविर के आयोजन में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण मोनिका माल, ज्योति मीणा, मनोज कुमार गुप्ता तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के डॉ. सुरेन्द्र हरसाना, डॉ. सिमरन पाल सिंह, डॉ. जितेन्द्र खटाना, फार्मासिस्ट वीरेन्द्र पंवार, लैब टेक्निशियन अनिल उपाध्याय, स्वास्थ्य मार्गदर्शक भूपेन्द्र खटाना अधैत, विक्रम मीना, नमोनारायण मीना भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और सहयोग प्रदान किया। राजकीय महाविद्यालय नादौती परिवार ने इस सफल स्वास्थ्य शिविर हेतु सीएचसी कैमरी की टीम, महिला प्रकोष्ठ एवं महाविद्यालय स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

इंदिरा एकादशी पर श्याम भक्तों का उमड़ा सैलाब

गंगापुर सिटी । बुधवार को इंदिरा एकादशी पर्व धूमधाम से मनाया गया। नहर रोड स्थित कुशालगढ के बाबा श्याम मंदिर और श्री कल्याणजी मंदिर में धार्मिक आयोजनों की धूम रही। बाबा श्याम और बाबा कल्याणधणी जी का भव्य श्रृंगार किया गया, जिसकी एक झलक पाने के लिए दिनभर हजारों श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कुशालगढ़ के बाबा श्याम मंदिर में आश्विन कृष्ण पक्ष की इंदिरा एकादशी पर बाबा का अलौकिक और आकर्षक श्रृंगार किया गया। मंदिर में सुबह से ही भक्तों का आना शुरू हो गया, जिससे दिनभर पैर रखने की जगह नहीं मिली। इसी प्रकार, श्री कल्याणजी मंदिर में भी बाबा कल्याणजी की भव्य झांकी सजाई गई। दोनों मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार श्रद्धा देखने को मिली। बुधवार सुबह मंदिरों की साफ-सफाई और धुलाई की गई। इसके बाद बाबा श्याम और श्री कल्याण जी महाराज का फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया गया। बाबा श्याम के लिए कलकत्ता से केवडा, चंपा, रजनीगंधा, मोगरा और विभिन्न प्रकार के गुलाब के फूल मंगवाए गए थे। उन्हें नई पोशाक भी धारण कराई गई, जिसके बाद विशेष पूजा-अर्चना और आरती हुई। मंदिर में सुबह 4 बजे से ही श्याम प्रेमियों का आगमन शुरू हो गया था। गंगापुर शहर के साथ-साथ महुकलां, महुखुर्द, जलोखरा, बाढकलां, उदेई, जाटबडौदा, खानपुर बडौदा, उमरी, सलेमपुर, चूली सहित आसपास के दर्जनों गांवों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। बारिश के बावजूद भी भक्तों की भीड कम नहीं हुई। श्री श्याम मंदिर कमेटी द्वारा बाबा श्याम का भव्य श्रृंगार किया गया और श्याम प्रेमियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त, कई अन्य संगठनों ने भी श्रद्धालुओं के लिए शर्बत और ठंडाई की व्यवस्था की । मंदिर में बाबा श्याम और श्री कल्याण जी महाराज के दर्शनों के साथ-साथ छप्पन भोग की झांकी के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का दिन भर तांता लग रहा। शाम को बाबा श्याम की विशेष पूजा अर्चना और इसके बाद आरती की गई जिसमें हजारों भक्तों ने आरती में भाग लेकर परिवार में खुशहाली और सुख समृद्धि की मनौती मांगी। श्री कल्याण जी मंदिर और नहर रोड के कुशालगढ मंदिर में श्रद्धालुओं ने गोपाल सहस्त्रनाम श्याम चालीसा आदि के पाठ किया।

विजेता सम्मानित

गंगापुर सिटी । 69वीं जिला स्तरीय 14 वर्षीय छात्र-छात्रा द्वितीय समूह ऋीडा प्रतियोगिता का समापन बुधवार को राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल बाढ सालौदा में हुआ। इस प्रतियोगिता में करीब 375 खिलाड़ियों ने भाग लिया। समापन समारोह में एसीबीईओ हनुमान गोयल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि यूसीईईओ गंगापुर सिटी ओमप्रकाश बैरवा ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि हनुमान गोयल ने खेलों को जीवन के समग्र विकास का आधार बताया और कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। अध्यक्ष ओमप्रकाश बैरवा ने खेलों को सफल जीवन जीने की कला सिखाने वाला बताया, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ सकारात्मक सोच भी प्रदान करते हैं। शारीरिक शिक्षक शफी मोहम्मद ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल पांच खेल आयोजित किए गए। इनमें ऋिकेट, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, नेटबॉल और राइफल शूटिंग शामिल थे।

मोदी के 75 वें जन्मदिन पर स्वच्छता अभियान, पौधे रोपे

गंगापुर सिटी । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शहर मंडल के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर फब्बारा चौक पर शहरवासियों को हलवा वितरित किया गया। प्रधानमंत्री के जन्मदिन को सेवा पखवाडे के रूप में मनाने की शुरुआत भी की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए बताया कि पार्टी और सरकार अगले 15 दिनों तक इसे सेवा पखवाडे के रूप में मनाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा हर साल प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन को जनसेवा के रूप में मनाती रही है, लेकिन इस बार 75वें जन्मदिन के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं।इस पखवाडे के दौरान स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, गौसेवा, संतों का सम्मान, रक्तदान शिविर और युवा मोर्चा द्वारा नमो मैराथन जैसे कई कार्यऋम आयोजित किए जाएंगे।जिला उपाध्यक्ष दीपक सिंघल ने जानकारी दी कि स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार व पोषण अभियान के तहत देश भर में एक लाख से अधिक स्थानों पर हेल्थ कैंप लगाए जाएंगे।इन शिविरों में विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण और बच्चों के पोषण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।सभापति शिवरतन अग्रवाल और जिला सह मीडिया प्रमुख धनेश शर्मा ने सेवा पखवाडे के तहत आयोजित होने वाले कार्यऋमों का विस्तृत कार्यक्रम बताया। इसके अनुसार, 18 सितंबर को स्वच्छता अभियान, 19 सितंबर को गौसेवा कार्यक्रम, 2० सितंबर को शहर मंडल व तलावडा मंडल का संयुक्त रक्तदान शिविर, 21 सितंबर को भाजयुमो द्वारा नमो मैराथन दौड, 22 सितंबर को दुर्गा पूजा व घट स्थापना, 23 सितंबर को स्वच्छता सेनानियों का सम्मान, 24 सितंबर को वृक्षारोपण व वृक्ष वाटिकाओं का संरक्षण कार्यक्रम, 25 सितंबर को दीनदयाल जयंती पर पुष्पांजलि व गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित होगा।

■ मोदी के जन्म दिन पर भाजपा पदाधिकारियों ने सेवा पखवाड़े की शुरुआत की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर गंगापुर सिटी में भाजपा पदाधिकारियों ने लोगों को अल्पाहार कराया ।

सार-समाचार

जम्बो सोसायटी की चौदहवीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

करौली, (निंस.)। जम्बो सोसायटी की चौदहवी वार्षिक साधारण सभा सोसायटी अध्यक्ष बद्री मीणा की अध्यक्षता में पंजीकृत कार्यालय अजय निवास गुलाब बाग करौली में दोपहर 12 बजे संपन्न हुई जिसमें सोसायटी के अंकेक्षित लेखों का अनुमोदन किया गया। इस दौरान सचिव वेद प्रकाश सिंह उर्फ लालाजी ने बताया कि आम सभा एजेंडा के प्रत्येक बिंदु पर उपस्थित सदस्यों से परस्पर विचार करके प्रस्तावित प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया । सोसायटी पूर्णतः स्ववित्त एवं सदस्यों द्वारा संचालित है एवं एवं अल्प समय में बेहतर परिणाम अर्जित किये गए है जिसके लिये सभी सदस्य एवं कर्मचारी बधाई के पात्र है। इस मौके पर सोसायटी सदस्य रिद्दी चंद बंसल, दीपक शर्मा, लज्जाराम प्रजापत, प्रकाश लाल कश्यप, रिंकू सिंह, नागेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, जीतेंद्र शर्मा, दीपक सारस्वत, विकास मित्तल, चन्द्रशेखर धाबाई, गणेश सिंह आदि गणमान्य लोग एवं सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षक व इंजीनियर सम्मानित

गंगापुर सिटी । लायंस क्लब गंगापुर सिटी द्वारा भगवती पैलेस उदेई मोड पर शिक्षकों और इंजीनियर के सम्मान हेतु एक कार्यक्रम रखा गया जिसमें लायंस क्लब गंगापुर सिटी के सभी सदस्य और परिवार जन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में सर्वप्रथम नगर परिषद गंगापुर सिटी के सभापति लायन शिवरतन अग्रवाल, एरिया लीडर लायन दिनेश सिंघल, जॉन चेयरपर्सन डॉक्टर निर्मल शर्मा तथा रीजन एडवाइजर लायन राधेश्याम विजयवर्गीय, क्लब के अध्यक्ष लायन मुकेश चंद्र गुप्ता लोहे वाले, सचिव प्रोफेसर धीरज कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष लायन दिनेश खंडेलवाल ने मंच पर अपना स्थान ग्रहण किया उसके पश्चात ध्वज वंदना और ईश्वर प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का आगाज शुरू हुआ। उसके बाद अध्यक्ष लायन मुकेश द्वारा कार्यक्रम प्रारंभ की घोषणा की गई तथा स्वागत भाषण दिया गया उसके पश्चात प्रोफेसर लाइन धीरज कुमार गुप्ता द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। आने वाले सेवा सप्ताह के लिए विचार विमर्श उपरांत प्रकल्प निर्धारित किए गए। सेवा सप्ताह का मुख्य संयोजक लायन राजेंद्र प्रसाद गुप्ता अकाउंटेंट को बनाया गया। कार्यऋम में उपस्थित क्लब की सम्मानित शिक्षकों का सम्मान किया गया। इसी प्रकार इंजीनियर डे उपलक्ष में इंजीनियरों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में लायन शिवरतन अग्रवाल अग्रवाल द्वारा संबोधित किया गया। कार्यक्रम में क्लब के सभी सदस्यों ने परिवार सहित भाग लिया और अपनी गरिमामय उपस्थित से कार्यक्रम को सफल और सार्थक बनाया।

पेट्रोल पंप कर्मचारियों से अभद्रता, धमकी व ब्लैकमेलिंग का मामला दर्ज

बयाना भरतपुर (निस)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय सचिव राजेश गोयल के खिलाफ रिलायंस पेट्रोल पंप कर्मचारियों से अभद्रता, धमकी और ब्लैकमेलिंग के आरोप में बयाना कोतवाली में मामला दर्ज किया गया है। रिलायंस पेट्रोल पंप के मैनेजर सत्यभान सोलंकी ने शिकायत में बताया कि 29 अगस्त को राजेश गोयल अपनी रॉयल एनफील्ड (नंबर 7007) से पेट्रोल भरवाने आए थे। पेट्रोल भरने के बाद जब कर्मचारी ने भुगतान मांगा तो उन्होंने गाली-गलौज की और पैसे देने से इनकार कर दिया। साथ ही उन्होंने खुद को राष्ट्रीय सचिव बताते हुए पंप बंद कराने और बदनाम करने की धमकी दी। शिकायत में यह भी कहा गया है कि गोयल ने बाद में स्थानीय समाचार पत्रों में झूठी खबरें प्रकाशित करवा कर पंप संचालिका माधवी चाहर और प्रार्थी की मानहानि की, तथा लगातार ब्लैकमेलिंग कर पैसों की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सेवा पखवाड़ा के तहत हुई कार्यशाला

करौली, (निंस.)भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भाजपा शहर मंडल करौली की सेवा पखवाड़ा के कार्यक्रम के तहत कार्यशाला का आयोजन मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता पूर्व जिला अध्यक्ष कैलाश हरदेनिया, विशिष्ट अतिथि जिला मंत्री आरती बैसला उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने सेवा पखवाड़ा के तहत होने वाले सभी कार्यक्रमों को जनता के बीच तक पहुंचाने की बात कही द्य सेवा पखवाडे के तहत प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है जिसमें रक्तदान शिविर, गायों को चारा खिलाना, श्रमदान, स्वच्छता अभियान आदि कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गईद्यकार्यक्रम में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के जिला सहसंयोजक जिला उपाध्यक्ष योगेश शर्मा उर्फ योगी , जिला उपाध्यक्ष अजय पाल, करौली नगर परिषद की सभापति डॉ राजरानी शर्मा, सुशील शर्मा,मंडल महामंत्री आशीष जैन, तेजेंद्र सिंह, कान्हा व्यास आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्मिकों को पोश अधिनियम के प्रावधानों की दी जानकारी

करौली । जिला प्रशासन एवं एक्शनएड एसोसिएशन इंडिया द्वारा चलाए जा रहे महिला श्रमिक उत्पीड़न मुक्त कार्यस्थल जागरूकता अभियान के अंतर्गत पंचायत समिति सपोटरा में विकास अधिकारी बृजलाल बैरवा की अध्यक्षता में बैठक की गई। एक्शनएड जिला समन्वयक दिनेश कुमार बैरवा ने बताया कि एक्शनएड द्वारा संपूर्ण देश में 1 जुलाई से 30 सितम्बर तक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत महिला श्रमिकों में पोश अधिनियम (कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013) के प्रति जागरूकता बढाना एवं उत्पीडन की शिकायत स्थानीय शिकायत समिति, नजदीकी पुलिस थाना, राष्ट्रीय एवं राज्य महिला आयोग की बेबसाइट एवं शी - बोक्स पोर्टल पर करने एवं उत्पीडन के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना है।

जिला समन्वयक ने कहा कि पोश एक्ट महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन से बचाने के लिए बनाया गया एक कानून है. यह अधिनियम 2013 में पारित किया गया था और इसका उद्देश्य एक सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करना है जहाँ महिलाएँ उत्पीडन के डर के बिना काम कर सकें। पोश अधिनियम में यौन उत्पीडन को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, जिसमें अवांछित शारीरिक संपर्क, यौन अनुठाह की मांग, अश्लील साहित्य दिखाना, और यौन प्रकृति का कोई भी अवांछित व्यवहार शामिल है। यह अधिनियम महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन से बचाता है, जिससे वे सुरक्षित और गरिमापूर्ण वातावरण में काम कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि ईंट भट्टों, भवन निर्माण, सड़क निर्माण, खान, साफ सफाई एवं घरेलू कार्य करने वाली महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर उत्पीड़न की संभावना अधिक रहती है। महिला श्रमिकों के साथ कार्यस्थल पर ठेकेदार, मालिक, या अन्य व्यक्ति उत्पीड़न करता है तो महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक करता है तो अधिनियम में शिकायत दर्ज करने और निवारण की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। जिला समन्वयक ने कहा कि जिलें में कई सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों में पोश एक्ट के तहत आंतरिक व स्थानीय शिकायत समितियो का गठन नही हो रहा है। जिससे महिला कार्मिकों के साथ होने वालें उत्पीड़न की शिकायतें नही हो पाती है। इस अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों में आंतरिक शिकायत समिति एवं स्थानीय शिकायत समितियों एवं असंगठित क्षेत्र के महिला श्रमिकों के लिए जिला स्तरीय स्थानीय शिकायत समिति का गठन / पुनर्गठन करवाकर उन्हें सक्रिय किया जा रहा है। जिसके लिए सभी विभागों के समन्वय से प्रक्रिया शुरू की जा रही है। विकास अधिकारी बृजलाल बैरवा ने पंचायत समिति स्तरीय पोश कमेटी को सक्रिय करने एवं सभी ठााम पंचायतों में पोश अधिनियम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर मनरेगा स्थानों पर महिला श्रमिकों को अधिनियम की जानकारी दियें जाने के लिए ठााम विकास अधिकारियों को निर्देश दिए गए। इस दौरान अधिकार मित्र रामराज बैरवा, आवास प्रभारी देवीशंकर, लेखराज, हेमराज माली सहित पंचायत समिति कार्मिक उपस्थित रहें।

पश्चिम मध्य रेल
शुद्धि पत्र
संख्या-डब्ल्यू/623/15 दिनांक-16.09.2025
ई-निविदा सूचना/सिविल इंजीनियरिंग/कोटा मण्डल
निम्नलिखित टेण्डर जो कि निविदा संख्या-डब्ल्यू/623/15, दिनांक 29.08.2025 के द्वारा प्रकाशित किये गए थे एवं जिन्हें दिनांक 22.09.2025 को खोला जाना था, इन्हें अब रद्द किया जाता है। **टेंडर संख्या :** 181/2025, **कार्य का विवरण :** कोटा-बयाना सेक्शन-टीएसआर (पी)-111.779 कि.मी. वाय पीक्यूआरएस विद कॉन्ट्रेक्टरस पोर्टल 108.319 कि.मी. एण्ड मेन्युएल-3.460 कि.मी. इनकुलिंडिग सबसाइडरी वर्क विद बीसीएम।
हस्ता.
वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर समन्वय
पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

अनूपगढ़ में धर्मान्तरण के बड़े रैकेट का खुलासा हुआ, 454 हिंदुओं को ईसाई बनाया

पुलिस ने दो जनों को राउंडअप किया, आरोपी के घर से रजिस्टर मिले हैं, जिनमें धर्मांतरण किए हुए लोगों के नाम और अन्य जानकारी मिली है

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर में धर्मांतरण के बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। आरोपी ने 11 साल 454 हिंदुओं को ईसाई बनाने की बात कबूल की है। आरोपी ने बताया कि फ्रेंड्स मशीनरी प्रेयर बैंड संगठन उसे हर साल 20 लोगों को कन्वर्ट करने का टारगेट देता था। इसके लिए उसे 9 हजार रुपए महीना और भत्ते दिए जाते थे। मामला अनूपगढ़ थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 14 का है।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि गांव 24 एपीडी के संदीप (23) ने थाने में धर्म परिवर्तन कराने की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी पौलुस बारजो (47) और आर्यन को राउंडअप किया। आरोपी के घर से रजिस्टर मिले हैं, जिनमें धर्मांतरण किए हुए लोगों के नाम और अन्य जानकारी मिली। पूछताछ में पौलुस बारजो ने 454 हिंदुओं को ईसाई बनाने की बात कबूल की है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित संदीप ने बताया कि अनूपगढ़ रेलवे स्टेशन के पास बाइक स्पेयर पार्ट्स के दुकान मालिक आर्यन और उसके पिता विनोद मेरे पुराने परिचित है। एक महीने पहले मैं उनकी दुकान पर बाइक का सामान लेने गया था। बातों-बातों में उन्होंने मेरी शादी के बारे में पूछा। मैंने बताया कि मेरी शादी अभी तक नहीं हुई है। आर्यन और उसके पिता विनोद ने मुझे शादी का झांसा देकर संगठन के इंचार्ज पौलुस बारजो से मिलवाया।

संदीप ने कहा कि 20 दिन पहले पौलुस बारजो ने मुझसे कहा कि अगर तुम ईसाई धर्म अपना लेते हो तो प्रभु तुम पर खुश हो जाएंगे और तुम्हारी शादी हो जाएगी। वे मुझे बहलाकर प्रेम नगर की नहर पर ले गए, जहां पानी में डुबकी लगवाकर ईसाई बना दिया। इसके बाद ये तीनों अन्य हिंदुओं को ईसाई धर्म में लाने के लिए मुझे प्रताड़ित करने लगे। जब मैं ज्यादा प्रताड़ित होने लगा तो पुलिस और विश्व हिंदू परिषद सहित कुछ अन्य लोगों को इनके बारे में बताया।

- **आरोपी ने बताया कि फ्रेंड्स मशीनरी प्रेयर बैंड संगठन उसे हर साल 20 लोगों को कन्वर्ट करने का टारगेट देता था, इसके लिए उसे 9 हजार रुपए महीना और भत्ते दिए जाते थे**
- **आरोपी पौलुस बारजो ने बताया कि वह गरीब, असहाय या किसी बीमारी से ग्रसित हिंदू परिवारों से मिलता है और उन्हें कन्वर्ट करने के लिए उनका ब्रेनवॉश करता है**
- **पौलुस बारजो ने बताया कि वह झारखंड के गांव कटिंगगेल का रहने वाला है, वह 1995 में हिंदू से ईसाई बना था, बड़े भाई ने भी ईसाई धर्म अपनाया है**

पौलुस बारजो ने बताया कि वह झारखंड के गांव कटिंगगेल का रहने वाला है। वह 1995 में हिंदू से ईसाई बना था। उसने बताया कि बड़े भाई ने भी ईसाई धर्म अपनाया है। ईसाई बनने के बाद वह 2003 में चेन्नई के एफएमपीबी संगठन से जुड़ा। इसके लिए उसका इंटरव्यू हुआ। संगठन ने उसे ट्रेनिंग के लिए झांसी भेज दिया। एक साल की ट्रेनिंग के बाद उसे सबसे पहले राजस्थान के सीकर जिले में भेजा गया। 2008 में वह अनूपगढ़ आया और 2016 तक रहा। इसके बाद वह अन्य राज्यों में चला गया। 2022 में वह फिर अनूपगढ़ आया। अभी वह विनोद के घर रह रहा था। संगठन ने हर साल 20 लोगों को कन्वर्ट करने का टारगेट दे रखा है। इसके लिए संगठन उसे 9 हजार रुपए महीने सैलरी और भत्ते देता है। किराया, खाना, सत्संग, आने-जाने का खर्च, बच्चों की स्कूल फीस संगठन ही देता है।

पौलुस बारजो ने बताया कि वह गरीब, असहाय या किसी बीमारी से ग्रसित हिंदू परिवारों से मिलता है और उन्हें कन्वर्ट करने के लिए उनका ब्रेनवॉश करता। अब तक उसने 454 लोगों को कन्वर्ट किया है। ये सभी लोग हिंदू थे। यहां पर उसके अलावा श्यामलाल और सुरजीत नाम के दो लोग हैं, जो धर्मांतरण करवाते हैं। टारगेट पूरा करने के लिए तीनों ने अनूपगढ़ और आस-पास के गांवों में सहयोगी छोड़ रखे हैं। जिनका पूर्व में धर्म परिवर्तन करवा चुके हैं। इनमें महिलाएं भी शामिल हैं। संगठन की ओर से दो पीजीएम और 36 जीबी में चर्च बनाया जाना है। जिसके लिए लोगों से सहयोग लिया जा रहा है। चर्च के लिए विनोद कुमार ने साढ़े तीन लाख रुपए दिए हैं। इसके लिए जमीन खरीद चुके हैं।

विश्व हिंदू परिषद के जिलामंत्री कृष्ण राव ने बताया कि पौलुस बारजो अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हिंदुओं का धर्म परिवर्तन करवा रहा है। ये लोग हिंदू धर्म के देवी-देवताओं के लिए निंदनीय शब्दों का प्रयोग करते हैं। विश्व हिंदू परिषद ये बिल्कुल भी सहन नहीं करेगा। संदीप ने हिम्मत दिखाते हुए मामला दर्ज करवाया है। विश्व हिंदू परिषद ने पुलिस और प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

बुजुर्ग को हनीट्रैप के जाल में फंसाकर 12.90 लाख ठगे

मास्टरमाइंड युवती और सहयोगी को पुलिस ने गिरफ्तार किया

सीकर, (निसं)। 64 साल के बुजुर्ग को हनीट्रैप के जाल में फंसाकर 12.90 लाख रुपए हड़पने के मामले में मास्टरमाइंड युवती और उसकी सहयोगी को गिरफ्तार किया गया है। मास्टरमाइंड खुद को सोशल मीडिया पर समाजसेवी बताती है। उसके सोशल मीडिया पर हजारों फॉलोअर्स है। गिरफ्तारी के एक दिन पहले रेणुका चौधरी अपने फेसबुक पेज पर लाइव आई थी। फेसबुक पर रेणुका चौधरी काफी एक्टिव रहती। सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने के उसके कई फोटो भी फेसबुक पर मौजूद हैं। कई नेताओं के स्वागत करने की पोस्ट भी उसके फेसबुक पेज पर हैं।

धोद थानाधिकारी राकेश कुमार मीणा ने बताया कि मास्टरमाइंड रेणुका चौधरी (30) पुत्री बजरंग लाल निवासी घस्सु का बास और सहयोगी सुबिता (37) पत्नी सुरजाराम जाट निवासी रामपुरा को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है। पुलिस दोनों को पकड़ने के लिए धोद चौराहे पर गई तो गिरफ्तारी के डर से बचने के लिए मास्टरमाइंड रेणुका चौधरी बार-बार बेहोश होने का नाटक करती रही। कभी चलती-चलती नीचे गिर जाती और चिल्लाने लगती। महिला पुलिसकर्मियों ने बड़ी मशक्कत से उसे जेल भेजा। पीड़िता रामकरण सरकारी नौकरी से रिटायर्ड हैं।

सीकर के धोद पुलिस थाने में 30 अगस्त को बुजुर्ग रामकरण ने मुकदमा दर्ज करवाया था। रिपोर्ट में बताया था कि उसकी फेसबुक पर रेणुका चौधरी नाम की महिला से पहचान हुई थी। रेणुका चौधरी उसे कई बार वीडियो कॉल भी करती थी। अपनी परिचित महिला सुबिता की बेटी की इंस्टाग्राम आईडी से भी उसे मैसेज करवाया। इसके बाद रेणुका चौधरी के कहने पर सुबिता ने अपनी बेटी को रामकरण से मिलने के लिए फॉर्म हाउस पर भी भेजा। कुछ मिनट बाद रेणुका भी अपने साथ कुछ लोगों को लेकर वहां पहुंच गई। उन्होंने रेप केस में फंसाने की धमकी देकर सोने की अंगूठी, चेन और 25 हजार रुपए ले लिए। इसके बाद एक स्टांप पर लिखावट करवाकर रेणुका ने खुद के अकाउंट में 12.90 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। मास्टरमाइंड को पता था कि बुजुर्ग के पास काफी पैसा है। ऐसे में बुजुर्ग को अपनी परिचित के जरिए जाल में फंसाया। पूछताछ में रेणुका चौधरी ने बिल्कुल भी सहयोग नहीं किया, लेकिन उसकी सहयोगी सुबिता ने पुलिस को पूरी हकीकत बता दी।

दिनदहाड़े कार सवार बदमाशों ने महिला का किया अपहरण

आरोप है कि अपहरणकर्ताओं में युवती का पिता भी शामिल था

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के खेरोदा थाना क्षेत्र के भटेवर में बुधवार सुबह दो कारों से आए करीब 8-10 बदमाशों ने एक विवाहित युवती का घर में घुसकर अपहरण कर लिया। आरोप है कि अपहरणकर्ताओं में युवती का पिता भी शामिल था। युवती के अपहरण का विरोध करने पर अपहरणकर्ताओं ने उसके ससुर के साथ मारपीट की और घर में बंद कर फरार हो गए। विवाहिता के पति पवन (25) पिता पन्नालाल जणवा ने थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि वे किसी काम से घर से बाहर गए थे। तभी उनके घर पर लाल और काले रंग की दो कारें अचानक आकर रुकी। उनमें से करीब 10 से 12 युवक उनके घर में घुसे और उसकी पत्नी कोमल के साथ मारपीट करने लगे। पिता को कमरे में कुंदी लगाकर बंद कर दिया। फिर कोमल को जबरन कार में डालकर ले गए।

- **बताया जा रहा है कि पिता और परिजन युवती के प्रेम विवाह से नाराज थे, इसी कारण उन्होंने अपहरण की घटना को अंजाम दिया**

जानकारी के अनुसार पिता और परिजन युवती के प्रेम विवाह से नाराज थे, इसी कारण उन्होंने अपहरण की घटना को अंजाम दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी लेकर विवाहिता की तलाश शुरू कर दी है। युवती के अपहरण की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। बदमाश उसे जबरदस्ती एक कमरे में बंद कर देते हैं। इसके बाद वे महिला को हाथ पांव पकड़कर घसीटते हुए कार तक ले जाते हैं और उसे जबरदस्ती अंदर डालकर फरार हो जाते हैं। बदमाशों ने महज 2-3 मिनट में इस पूरी वारदात को अंजाम दिया। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुटी है।

खेरोदा थानाधिकारी सुरेश विश्नोई ने बताया कि भटेवर निवासी कोमल पत्नी पवन के अपहरण की घटना सामने आयी है। कोमल और अपहरणकर्ताओं की तलाश की जा रही है। अपहरण करने में उपयोग हुई एक कार बरामद कर ली गयी है, जबकि दूसरी कार का पीछा कर रहे हैं। पुलिस जल्द ही पीड़िता कोमल को रेस्क्यू कर लेगी। रिपोर्ट पर अपहरण में महिला के पिता को नामजद किया है।

ऑपरेशन पोलो में जोधपुर का योगदान अविस्मरणीय : शेखावत

जोधपुर। तेलंगाना की राजधानी में हैदराबाद मुक्ति दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मंच से ऐतिहासिक क्षणों का स्मरण कर जोधपुर की वीर परंपरा को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जोधपुर स्टेट फोर्स के भारतीय सेना में विलय के पश्चात ऑपरेशन पोलो में जोधपुर का योगदान अविस्मरणीय है। उस समय सैनिकों ने जिस अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया था, वही परंपरा आज भी भारतीय सेना द्वारा गर्व के साथ आगे बढ़ाई जा रही है।

- **हैदराबाद मुक्ति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शिरकत की**
- **'लेफ्टिनेंट कर्नल धौंकल सिंह की हैदराबाद मुक्ति संग्राम में अहम भूमिका'**

अपने उद्बोधन में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि हैदराबाद मुक्ति संग्राम में जोधपुर स्टेट फोर्स की भूमिका केवल सैन्य सफलता तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने का कार्य किया। यह केवल जोधपुर का ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का गौरव है। ऑपरेशन पोलो के समय नागौर जिले के छोटे से गांव मामडोली का नाम भी गर्व से लिया गया। मामडोली के सपूत लेफ्टिनेंट कर्नल धौंकल सिंह मेड़तिया (राठौड़) ने हैदराबाद मुक्ति संग्राम में अपनी विशिष्ट भूमिका निभाई थी। मातृभूमि के प्रति उनकी निष्ठा, शौर्य और बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। ले. कर्नल मेड़तिया का योगदान इस तथ्य को स्थापित करता है कि भारत के छोटे-छोटे गांवों की माटी ने ऐसे सपूत दिए हैं, जिन्होंने देश की एकता और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया। स्टेट फोर्स के परिवारों में आज भी देश की सेनाओं एवं अर्द्ध सैन्य बलों की सेवाओं के प्रति प्रतिभागी बनने का जज्बा आज भी बरकरार है। आज जब डेढ़ सौ करोड़ भारतीय गणतंत्र भारत की संकल्पशक्ति का प्रतीक बनकर खड़े हैं, तब मरुधरा की इस धरती के छोटे से गांव मामडोली को स्वर्ण जड़ित करने वाले इस वीर पुत्र की गाथा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया

जयपुर/कालाडेरा। जयपुर ग्रामीण जिले के कालाडेरा थाना इलाके में बुधवार दोपहर को तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को मोर्चरी में रखवाया। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं इस हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

सीओ गोविन्दगढ़ राजेश जांगिड़ ने बताया कि हादसा सोमवार दोपहर डेढ़ बजे कालाडेरा थाना क्षेत्र के दूध डेयरी के पास हुआ था, जहां कालाडेरा थाना क्षेत्र के हस्तेड़ा निवासी दो सगे भाई लालचंद कुमावत (40) और रामेश्वरलाल (45) किसी कार्य से चौमूं की ओर आ रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को मोर्चरी में रखवा कर परिजनों को सूचित किया गया। वहीं पुलिस वाहन चालक की तलाश में जुटी है।

पालिका के वरिष्ठ सहायक ने 1.90 लाख रुपये की रिश्वत ली

नगर पालिका राजगढ़ के वरिष्ठ सहायक राकेश धायल को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

झुंझुनूं/जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की झुंझुनूं टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए नगर पालिका राजगढ़ जिला चूरू के वरिष्ठ सहायक राकेश धायल को 1.90 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी झुंझुनूं को परिवादी ने शिकायत दी कि नगर पालिका राजगढ़ में खाली भूखंड भूमि के कन्वर्जन के लिए पत्रावली जमा करवाई थी। जहां भूमि शाखा प्रभारी और वरिष्ठ सहायक राकेश घायल ने भूमि कन्वर्जन फीस के अलावा तीन लाख रुपये की मांग की। इसके बाद एसीबी ने शिकायत पर गोपनीय रिश्वत मांग सत्यापन के दौरान वरिष्ठ सहायक राकेश धायल ने नक्शा नवीस पवन मुद्रल से मिलीभगत कर परिवादी से 96 हजार 500 रुपये कन्वर्जन फीस एवं एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग करना पाया पाया गया। जिस पर ट्रेप की कार्रवाई करते हुए भूमि शाखा प्रभारी और वरिष्ठ सहायक राकेश घायल को रिश्वती राशि ठाहण कर अपनी कार्यालय टेबल पर रखी जहां से 1.90 रुपये रिश्वत बरामद की है।

अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र का डीजीपी ने दौरा किया, पुलिस और बीएसएफ का मनोबल बढ़ा

बाड़मेर, (निसं)। राज्य में बेहतर पुलिसिंग और कानून-व्यवस्था की मजबूती को लेकर राजस्थान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा जोधपुर संभाग के दौरे पर हैं। इसी क्रम में उन्होंने बाड़मेर जिले के सीमावर्ती गडरा रोड थाना और मुनाबाव सीमा चौकी का दौरा किया। भारत-पाकिस्तान सीमा से महज़ पांच किलोमीटर दूर स्थित गडरा रोड थाने पर पहुंचकर डीजीपी शर्मा ने न केवल थाने का गहन निरीक्षण किया, बल्कि अधिकारियों से कानून-व्यवस्था और क्षेत्र में अपराधों की प्रकृति की जानकारी भी ली। इस दौरान उन्होंने थाने में संधारित अभिलेखों को देखा और पुलिस की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। डीजीपी ने सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लेकर पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद पुलिस महानिदेशक ने थाने में तैनात जवानों से आत्मीय संवाद किया। जवानों की समस्याएं व अपेक्षाएं सुनते हुए उन्होंने उनके साथ रात्रिभोज भी किया। पुलिस प्रमुख को अपने बीच पाकर जवान उत्साहित नज़र आए और उन्होंने पूरी निष्ठा व समर्पण भाव से कर्तव्य निर्वहन का संकल्प दोहराया।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस और बीएसएफ के जवानों से संवाद किया।

गडरारोड थाने के निरीक्षण के पश्चात् डीजीपी शर्मा भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मुनाबाव चौकी पहुंचे, जहां उन्होंने बीएसएफ अधिकारियों और जवानों से मुलाकात की। डीजीपी ने सीमा पर तैनात बीएसएफ की गतिविधियों और सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा और अन्य गतिविधियों के बारे में भी ली जानकारी। बीएसएफ के जवानों से संवाद दौरान पुलिस महानिदेशक ने उनके अनुशासन व साहसिक कार्यों की सराहना करते हुए विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किए गए पराक्रम की प्रशंसा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस हमेशा बीएसएफ के सहयोग के लिए तत्पर है। सीमावर्ती क्षेत्र में पुलिस महानिदेशक का यह दौरा न केवल सुरक्षा बलों के मनोबल को बढ़ाने वाला साबित हुआ है, बल्कि इससे पुलिस और बीएसएफ के बीच बेहतर तालमेल को भी मजबूती मिली है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों के कल्याण, उनकी समस्याओं के निस्तारण और पुलिस परिवार के प्रतिभावान बच्चों के सम्मान करते हुए पुलिस परिवार के प्रति संवेदनशीलता दिखाई। डीजीपी शर्मा ने पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं, क्वार्टर गार्ड, मेस, जिम और आवासीय क्वार्टरों का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई, व्यवस्था और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों से सीधे संवाद किया। पुलिस परिवार के सदस्यों ने पानी, बिजली और अन्य सुविधाओं से जुड़ी अपनी समस्याओं को डीजीपी के सामने रखा, जिस पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

- **मुनाबाव बॉर्डर पर बीएसएफ के अधिकारियों और जवानों से डीजीपी रूबरू हुए**

डीजीपी शर्मा ने पुलिस परिवार के उन बच्चों को सम्मानित किया जिन्होंने शिक्षा, खेल और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। पुलिस लाइन में सम्पर्क सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधिकारी और जवानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को डीजीपी के सामने रखा। डीजीपी ने सभी समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता के साथ ध्यानपूर्वक सुना और जिला तथा रेंज स्तर की समस्याओं के तुरंत निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। अपने दौरे के दौरान डीजीपी ने पुलिस लाइन परिसर में पौधारोपण भी किया और सभी जवानों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने अल्पाहार के दौरान पुलिस जवानों से बातचीत की और समस्याओं को सुना। दौरे के दौरान डीजीपी के साथ महा निरीक्षक पुलिस जोधपुर रेंज राजेश मीना, उप महानिरीक्षक पुलिस, कुंवर राष्ट्रदीप और पुलिस अधीक्षक बाड़मेर नरेंद्र सिंह मीना सहित बाड़मेर के जिले के सभी अति. पुलिस अधीक्षक, वृत्त अधिकारी एवं थानाधिकारी भी उपस्थित थे।

रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

बाड़मेर/जयपुर। एसीबी की बाड़मेर टीम ने पटवार मंडल नवातला जेतमाल तहसील चौहटन जिला बाड़मेर के पटवारी दिनेश कुमार को परिवादी के पिता के नाम ग्राम स्थित शामलाती खेत में खातेदार (परिवादी के पिता) का नाम अलग दर्ज हैं, जबकि आधार कार्ड एवं अन्य सरकारी दस्तावेजों में नाम सही दर्ज हैं। नाम में उक्त असमानता की वजह से पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त वर्ष 2022 से बंद हैं। जिसको राजस्व रिकार्ड में दुरूस्त कर पीएम सम्मान निधि प्रारंभ कराने की एवज में पटवारी को दो हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी बाड़मेर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके पिता का राजस्व रिकॉर्ड में नाम दुरूस्त कर रूकी हुई पीएम सम्मान निधि प्रारंभ कराने की एवज में पटवारी दिनेश कुमार चार हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है।

DIRECTOR WORKS (EO)
Rajasthan University Of Veterinary & Animal Science, Bikaner (Raj.)
क्रमांक : F( )/DW(EO)/RAJUVAS/2025-26/617 - 627 दिनांक :- 16/09/2025
निविदा सूचना संख्या 05 वर्ष 2025-2026
राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदको से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट **www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.rajuvas.org, www.sppp.rajasthan.gov.in** व **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है। **UBN No.: VAU2526WSOB00065**
राज.संवाद/सी/25/10223 सेवानिवृत्त भू-सम्पदा अधिकारी

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर
Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner
क्रमांक - बी.डी.ए./स्टोर/2025-26/5892 दिनांक :- 16/09/2025
ई-बोली सूचना संख्या 14/स्टोर/2025-26
बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, प्राधिकरण एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार पंजीकृत संवदेको से ई-बोली आमन्त्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बोली डाऊनलॉड एवं अपलोड करने व खोलने की दिनांक एवं बोली शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।
UBN No. :- ITB2526SLOB00219
राज.संवाद/सी/25/10215 सचिव

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरमाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262,
Email:- ceoudr.lsg@rajasthan.gov.in electricalumc50@gmail.com Website :- https://udaipurmc.org/
क्रमांक :-ननिउ/ विद्युत/2025-26/609 दिनांक :- 12.09.25
ई-बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 07/2025-26
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विद्युत शाखा से सम्बंधित विभिन्न विकास कार्य जिसकी अनुमानित लागत राशि 18.50 लाख हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन निविदा दिनांक 22.09.2025 समय सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकरी www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
UBN No. UNP2526WSOB00082 आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/10021 नगर निगम, उदयपुर

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स.0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट. www-udaipurmc.org
क्रमांक : निविजा/2025-26/ई -26 दिनांक :- 16.09.2025
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 26/2025-26
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 136.32 लाख के कुल 02 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 17.09.2025 एवं अंतिम तिथि 29.09.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 01.10.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।
UBN No. UNP2526WSOB00085 अधीक्षण अभियन्ता
राज.संवाद/सी/25/10247 नगर निगम, उदयपुर

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज.)
केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड़ करौली, E-Mail : adpcsmsakarauli@gmail.com
क्रमांक :- एडीपीसी/समग्र शिक्षा/करौली/Civil/2025-26/277 दिनांक :- 12/09/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 01 (सिविल)/2025-26
राजकीय विद्यालय/आंगनबाडी में मरम्मत कार्यों हेतु)
राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में मरम्मत कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से बजट घोषणा 2025-26, एवं पी.एम.श्री. वर्ष 2024-25 योजनान्तर्गत स्वीकृत 01 राजकीय विद्यालय एवं 40 आंगनबाडियों में मरम्मत कार्यो हेतु राशि रू 60.64 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 0.98 लाख से 1.97 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदाऐं 15/09/2025 प्रातः 10.00 बजे से 22/09/2025 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।
- निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट **http://sppp.rajasthan.gov.in** व **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।
- यू.बी.एन. नं **RSE2526WSRC00795**

राज.संवाद/सी/25/10056 अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा, करौली

THE RAJASTHAN SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.
A Govt. of Rajasthan Undertaking, CIN:- U91110RJ1961SGC001118
CORRIGENDUM
NIB Number : 13/2025-26 (UBN : RSI2526SLOB00013)
Bids are invited for the Procurement of Services of Strategic Business Promoter to Equip, Operate, Manage & Transfer Business Services at ICD, Bhilwara from the eligible and experienced bidders. As per suggestions received in Pre-Bid meeting held on 30.07.2025, some clarifications have been amended in bid document. Therefore, the bid submission date has been extended till 5.00 PM on 03.10.2025.
The Bid will be opened on 06.10.2025 at 11:00am.
Due to technical error in the uploading revised date corrigendum on **sppp.rajasthan.gov.in** portal. SPPP portal will show old dates of submission and opening. Bidder are requested to ignore it the dates of SPPP shown. Last date of submission will be treated as per revised date corrigendum uploaded on eproc.rajasthan.gov.in. Bidder can now submit their bids as per revised dates mentioned in this corrigendum. Other particulars of the bid may be viewed on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in)** of the state and the official website of RSIC i.e. **https://www.industries.rajasthan.gov.in/rajsico**
The approximate value of the procurement is INR Rs. 3.50 Crores
Raj.Samwad/C/25/10237 Managing Director

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स नं :- 0151-2226906, फोन नं:- 0151-2226902, 2226905,
Email Address :- bikanernagarnigam@gmail.com, Website :-www.bikanermc.org
क्रमाक/भण्डार/2025-26/15768 दिनांक 15.09.2025
(ई-निविदा सूचना सं. 01/2025-26)
बीकानेर नगर निगम को आगामी 02 वर्ष के लिए अस्थाई टैन्ट व्यवस्था हेतु सामग्री आपूर्ति कार्य की अनुमानित लागत राशि रूपये 1.00 करोड़ हेतु इच्छुक सम्भरणकर्ता कार्य करने/सामग्री संभरण करने के लिए अधिकृत एवं अनुभवी हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण एवं तिथि राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेटपोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.govt.in तथा नगर निगम बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाऊनलोड की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक प्राक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकती है।
1. UBN Code :- DLB2526SLOB18342 आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/10253 नगर निगम, बीकानेर

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर ''स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार'' अभियान का शुभारंभ

महिलाओं के स्वस्थ होने पर ही गांव, जिला और देश स्वस्थ बनता है: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मध्यप्रदेश के धार से ''सशक्त नारी-सशक्त परिवार'' अभियान का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रतापनगर स्थित आरयूएचएस चिकित्सालय परिसर से वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

- **मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर थैलेसीमिया कुटुंब योजना और मनदर्पण मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का शुभारंभ किया**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मध्यप्रदेश के धार से ''सशक्त नारी-सशक्त परिवार'' अभियान का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रतापनगर स्थित आरयूएचएस चिकित्सालय परिसर से वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के स्वस्थ होने पर ही गांव, जिला और देश स्वस्थ बनता है। प्रधानमंत्री मोदी ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं जैसे बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और मातृ वंदना योजना। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल भी मोदी की दूरदर्शिता का परिणाम है।मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। वर्तमान में राज्य की मातृ मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत से कम होकर 86 प्रति एक लाख पर पहुंच गई है। प्रदेश में संस्थागत प्रसव की दर 95 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और 95 लेबर रूम एवं 44 ऑपरेशन थियेटर भारत सरकार द्वारा प्रमाणित किए गए हैं।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर थैलेसीमिया कुटुंब योजना और मनदर्पण मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जेके लोन अस्पताल में 20 करोड रुपये की लागत से बनी बाल हृदय-छाती शल्य चिकित्सा इकाई का भी लोकार्पण किया गया। इसके अलावा उन्होंने लाभार्थियों को पोषण किट, स्वास्थ्य कार्ड, निक्षय मित्र प्रमाण पत्र और देसी घी योजना के कूपन वितरित किए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के धार से इस अभियान की शुरुआत करते हुए मातृ वंदना योजना के तहत 15 लाख महिलाओं को आर्थिक सहायता हस्तांतरित की। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति राष्ट्र की प्रगति का आधार है और किसी भी महिला को जागरूकता या संसाधनों के अभाव में स्वास्थ्य से वंचित नहीं रहना चाहिए।कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, सांसद घनश्याम तिवाडी, मंजू शर्मा, विधायक कैलाश वर्मा सहित बडी संख्या में महिलाएं और अधिकारी उपस्थित रहे।

पतंजलि करेगा देश के प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कृत

फ्री मेडिकल चैकअप, योग व हैल्थ कैम्प लगाए जाएंगे

नई दिल्ली। पतंजलि ग्रुप देश के प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कृत करेगा। इसके साथ ही फ्री मेडिकल चैकअप एवं योग व हैल्थ कैम्प भी लगाए जाएंगे। यह जानकारी स्वामी रामदेव ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रैस कॉफ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम होंगे। उन्होंने बताया कि देश के सभी जिलों में सीबीएसई, बीएसबी (भारतीय शिक्षा बोर्ड) व स्टेट बोर्ड के प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन व गौरव देने के लिए पतंजलि द्वारा 11 से 51 हजार रुपयों से पुरस्कृत किया जाएगा।

पतंजलि ग्रुप के प्रतिभावान विद्यार्थी पुरस्कार समारोह और योग शिविरों के बारे में स्वामी रामदेव ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रैस कॉफ्रेंस में दी।

देशभर में 750 स्थानों पर फ्री मेडिकल चैकअप एवं योग व हैल्थ कैम्प लगाए जाएंगे। देश में 750 से अधिक स्थानों पर क्रोनिक लीवर डिजीज, फैटी लीवर और लीवर सिरोसिस की निशुल्क औषधि वितरण एवं उपचार कैम्प लगाए जाएंगे। आज देश में करोड़ों लोग हार्ट व लीवर के रोगी हैं। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में जिन असाध्य रोगों का इलाज नहीं है, पतंजलि ने योग-आयुर्वेद एवं स्वस्थ दिनचर्या तथा रिसर्च एण्ड एविडेंस बेस्ड औषधियों से ऐसे हजारों रोगियों को स्वस्थ किया है।

उन्होंने कहा कि भारत प्राचीनकाल से ही अर्थव्यवस्था के शिखर पर रहा है। 250 सालों में इस्ट इण्डिया कम्पनी से लेकर अनेकों कम्पनियों ने भारत की 100 ट्रिलियन से ज्यादा आर्थिक लूट केवल दो दशकों में की है। भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व में सर्वोपरि बनाने के लिए प्रधानमंत्री के आव्हान वोकल फॉर लोकल व स्वदेशी के आंदोलन को गाँव-गाँव व घर-घर तक जनांदोलन के रूप में चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री द्वारा चलाए जा रहे विकसित भारत अभियान को साकार करने के लिए संपूर्ण देश भर में स्वदेशी का अभियान चलाकर, भारत को विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए तथा राष्ट्र निर्माण के सभी क्षेत्रों में स्वदेशी को गौरव प्रदान करने के लिए व विदेशी ताकतों से देश की लूट को बचाएंगे तथा भारत को परम वैभवशाली बनाएंगे।

वसुंधरा राजे, राजेन्द्र राठौड़ समेत अन्य के खिलाफ परिवाद खारिज

महिंद्रा सेज की भूमि से जुड़े 10 वर्ष पुराने प्रकरण में दायर परिवाद को अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-11 ने खारिज किया

जयपुर। अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-11 ने महिंद्रा सेज की भूमि से जुड़े प्रकरण में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, राजेंद्र राठौड़, गुलाब कटारिया, गजेन्द्र सिंह खींवसर सहित पूर्व आईएएस सीएस राजन व वीनू गुप्ता व अन्य के खिलाफ दस साल पहले दायर परिवाद को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी पार्वती ने अपने आदेश में कहा कि परिवादी संजय छाबड़ा ने परिवाद पत्र के समर्थन में कोई साक्ष्य पेश नहीं की है। परिवादी ने सिर्फ मौखिक आरोप लगाए हैं। ऐसे में परिवाद को खारिज किया जाता है।

परिवाद में कहा गया कि इन आरोपियों ने मंत्रिमंडल के कैबिनेट सहयोगियों से मिलकर पद का दुरुपयोग किया और महिंद्रा ग्रुप के आनंद महिंद्रा को फायदा पहुंचाया। आरोपियों ने महिंद्रा लाइफ स्पेस डवलपर्स लिमिटेड के आधा दर्जन से अधिक अधिकारियों से मिलकर महिंद्रा सेज सिटी की सड़क, पार्क और स्कूल के लिए आरक्षित जमीन का लैंड यूज बदल दिया। इसके लिए तत्कालीन उद्योग सचिव वीनू गुप्ता ने लैंड यूज का प्रस्ताव बनाया और मुख्य सचिव सीएस राजन ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर तत्कालीन सीएम राजे व अन्य मंत्रियों को भेज दिया। आरोपियों ने कैबिनेट मीटिंग में महिंद्रा वर्ल्ड सिटी की सामाजिक आधारभूत संरचना की एक हजार एकड़ भूमि को घटाकर 446 एकड़ कर दिया। जिससे करीब पांच सौ एकड़ जमीन लाईफ स्पेस डवलपर्स को निजी फायदे के लिए दे दी। इस दौरान भूमि रूपान्तरण पर लगने वाले चार्ज की छूट के संबंध में वित्त विभाग से अनुमति भी नहीं ली गई। इस कार्रवाई में आरोपियों ने करीब पांच हजार करोड़ रुपए का राजकोष को नुकसान पहुंचाया।

सरस निकुंज में सजी गोवर्धन पर्वत की सांझी

जयपुर। इंदिरा एकादशी पर बुधवार को सुभाष चौक पानो का दरीबा स्थित श्री शुक संप्रदाय आचार्य पीठ श्री सरस निकुंज में सांझी उत्सव मनाया गया। श्री शुक संप्रदाय पीठाधीश्वर श्री अलबेली माधुरी शरण जी महाराज के सान्निध्य में गिर्राज पर्वत छप्पन भोग की सुंदर सांझी के दर्शन कराए गए। श्री सरस परिकर के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि सांझी में किशोरी जी द्वारा सखियों के साथ गिर्राज धरण महाराज और यमुना महारानी के पूजन के भाव से झांकी सजाई गई। चौकी पर गिर्राज पर्वत और छप्पन भोग की झांकी सजाई गई वहीं, एक बड़े पात्र में जल भरकर यमुना महारानी के दर्शन कराए गए।

अधिक से अधिक लोग करें हनुमान चालीसा पाठ

जयपुर। आगामी 4 अक्टूबर को श्री हनुमान चालीसा प्रबन्ध समिति के तत्वावधान में भांकरोटा में आयोजित होने वाले श्री हनुमान चालीसा के सामूहिक 108 पाठ के कार्यक्रम को लेकर भारत माता मंदिर में बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता करते हुए विश्व हिंदू परिषद राजस्थान के संगठन मंत्री राजाराम ने अधिक से अधिक लोगों को सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करने का आ ान किया। संत अमरनाथ महाराज के सानिध्य में पोस्टर का विमोचन किया। गया। कैलाश कुमावत ने बताया कि नि:शुल्क रजिस्ट्रेशन कराने की अंतिम तिथि 25 सितंबर है। इस दौरान महेश बम्ब, कैलाश कुमावत, रवीन्द्र खंगारोत, सीताराम बम्ब, सरदार सिंह, अनुज कुमावत, भागचंद वर्मा, मुकेश कुमावत, सुनील जैन मौजूद रहे।

हाईकोर्ट ने राज्य बुनकर संघ के प्रबंध निदेशक को तलब किया

- **रिटायर्ड कर्मचारी को भुगतान नहीं करने के मामले में जवाब मांगा**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिटायर्ड कर्मचारी को समय पर पेंशन भुगतान नहीं करने से जुड़े मामले में राज्य बुनकर संघ लिमिटेड के एमडी को 24 सितंबर को वीसी या व्यक्तिश: उपस्थिति होकर बकाया भुगतान नहीं करने का कारण बताने को कहा है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश अजीत सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में बुनकर संघ की ओर से आय व्यय का विवरण अदालत में पेश किया गया। जिसमें बताया गया कि साल 2024-25 में कार की मरम्मत पर 9.55 लाख रुपए का खर्च किया गया। वहीं दिवाली पर भी करीब डेढ लाख रुपए खर्च किए गए। वहीं 2.20 करोड रुपए से अधिक कर्मचारियों के वेतन आदि पर खर्च किए गए। इसके अलावा बैंक खाते में करीब 135 करोड रुपए मौजूद हैं। इस पर याचिकाकर्ता के वकील नीरज कुमार शर्मा ने कहा कि संघ की ओर से अपने शपथ पत्र में याचिकाकर्ता को बकाया का विलंब से भुगतान पर ब्याज क्यों नहीं दिया जा सकता। याचिकाकर्ता को सितंबर, 2015 में रिटायर होने के 2 साल बाद ग्रेच्युटी और चार साल बाद अवकाश का भुगतान किया गया। जबकि याचिकाकर्ता के बाद रिटायर हुए कर्मचारियों को तुरंत ही समस्त बकाया का भुगतान किया जा चुका है। इस पर अदालत ने कहा कि यह समझ से परे है कि संघ की ओर से याचिकाकर्ता को समय पर बकाया भुगतान और देरी से भुगतान पर ब्याज क्यों नहीं दिया गया। ऐसे में संघ के एमडी वीसी या व्यक्तिश: पेश होकर इसका कारण बताए।

याचिकाकर्ता के वकील नीरज कुमार शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता दस साल पहले संघ से रिटायर हुआ था। संघ को उसे सेवानिवृत्ति से जुड़े परिलाभ तत्काल देने थे, लेकिन संघ ने लंबे समय तय इसका भुगतान नहीं किया और बाद में इस अवधि का ब्याज भी देने से इनकार कर दिया। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने संघ को अपना आय-व्यय का ब्यौरा पेश करने को कहा था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्तदाताओं को उत्साह बढ़ाया

तेरापंथ युवक परिषद की ओर से आयोजित ब्लड डोनेशन ड्राइव में पहुंचे मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर बुधवार को सीतापुरा और आगरा रोड स्थित हैवेंस गार्डन में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा आयोजित मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव में भाग लिया। उन्होंने रक्तदान कर रहे युवाओं का उत्साहवर्धन किया और आमजन से भी अधिक से अधिक रक्तदान करने की अपील की।

- **मुख्यमंत्री ने रक्तदान को पुण्य कार्य बताया, स्वदेशी अपनाने की अपील**

मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्तदान एक महान सेवा कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के सेवा और समर्पण से प्रेरित होकर प्रदेश में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाने की जानकारी दी, जिसके अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविर सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री शर्मा ने इस अवसर पर आमजन से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और वोकल फॉर लोकल अभियान को मजबूत बनाने का भी आ ान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा, विधायक कैलाश वर्मा, उप महापौर पुनीत कर्णावट सहित बड़ी संख्या में युवा एवं परिषद के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने टी स्टॉल पर चाय का लिया स्वाद

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जयपुर के मानसरोवर स्थित शिप्रापथ क्षेत्र में एक टी-स्टॉल पर चाय बनाकर उसका स्वाद लिया और आमजन से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने यूपीआई से डिजिटल भुगतान कर डिजिटल इंडिया की भावना को भी प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने टी वेंडर राकेश मीणा से उनके कार्य और आजीविका की जानकारी ली। उन्होंने स्थानीय पार्षद और अधिकारियों को निर्देश दिए कि चाय सहित अन्य पथ विक्रेताओं को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना से जोड़ा जाए, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की तर्ज पर राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना शुरू की है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर 'नमो प्रदर्शनी' का शुभारंभ

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर प्रदेशभर में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार को जयपुर स्थित जवाहर कला केंद्र में 'नमो प्रदर्शनी' का भव्य आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया।

इस विशेष प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री मोदी के अब तक के कार्यकाल में किए गए महत्वपूर्ण निर्णयों, नवाचारों एवं योजनाओं को जनमानस तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत जैसी प्रमुख पहलों से संबंधित स्टॉल्स को देखा। प्रदर्शनी में ऑपरेशन सिंदूर तथा अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण जैसे ऐतिहासिक निर्णयों पर आधारित विशेष स्टॉल्स भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम के दौरान एक चित्रकार द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का चित्र भी बनाया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित पूर्व सैनिकों, युवा उद्यिमयों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद कर उनके अनुभवों को जाना। प्रदर्शनी स्थल पर 'मोदी स्टोरी' श्रृंखला के अंतर्गत प्रधानमंत्री मोदी के साथ जनप्रतिनिधियों के प्रेरणादायी अनुभवों पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

खाटूश्यामजी में जुटेंगे पुजारी

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी खाटू श्यामजी में पुजारी सेवक महासंघ का द्वितीय प्रांतीय महाधिवेशन का आयोजन 18-19 सितम्बर को जयपुर वालों की धर्मशाला किया जाएगा। महाधिवेशन में राजस्थान लगभग पांच हजार पुजारियों के अतिरिक्त मध्यप्रदेश, गुजरात सहित अन्य राज्यों से भी पुजारी प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी। बुधवार को नारायण धाम में आयोजकों ने महाधिवेशन की जानकारी दी। संरक्षक खाटू श्यामजी मंदिर के महंत मोहन सिंह दास महाराज ने बताया कि महाधिवेशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी मंदिरों में कार्यरत सेवायत/पुजारियों की गंभीर समस्याओं पर विचार-विमर्श करना तथा उनके निस्तारण हेतु ठोस कदम सुझाना है।

मुख्य सचिव ने की प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों पर चर्चा

हैदराबाद, सूरत और कलकत्ता में आयोजित होने वाले प्री-इवेंट प्रवासी मिलन के बारे में भी बैठक में चर्चा हुई

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में 10 दिसम्बर 2025 को आयोजित होने वाले प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। पंत ने अधिकारियों को नियमित प्रगति की समीक्षा करने और लंबित मुद्दों को तुरंत निपटाने के निर्देश दिए, ताकि कार्यक्रम का सुचारू समन्वय सुनिश्चित हो सके।

'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के दौरान 'प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार' भी प्रदान किए जाएंगे। समारोह में उन प्रवासी राजस्थानियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 10 दिसम्बर 2025 को आयोजित होने वाले प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों की समीक्षा बैठक ली।

इसके अतिरिक्त, इस दिनभर चलने वाले कार्यक्रम में शिक्षा, पर्यटन, उद्योग, स्वास्थ्य और जल जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर सेक्टोरल सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों का नेतृत्व विशिष्ट विशेषज्ञ करेंगे तथा प्रवासी सदस्य, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है, भी इसमें भाग लेंगे। करीबी समन्वय और सक्रिय पहुँच की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा, कार्यक्रम के सुचारू संचालन और प्रवासी राजस्थानियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों द्वारा करीबी समन्वय और प्रभावी योजना बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने प्रतिभागियों को विभिन्न शहरों जैसे हैदराबाद, सूरत और कोलकाता में आयोजित होने वाले प्री-इवेंट प्रवासी मिलन कार्यक्रमों के बारे में भी अवगत कराया। इन प्रवासी मिलनों का उद्देश्य प्रवासी समुदाय की अधिकतम भागीदारी को प्रोत्साहित करना और राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए सार्थक संबंधों को मजबूत करना है।इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, कुलदीप रांका, संदीप वर्मा, प्रमुख सचिव राजेश यादव, गायत्री राठौड़, उद्योग सचिव डॉ. जोगाराम, राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

विश्वकर्मा पूजन दिवस मनाया

जयपुर। आश्विन कृष्ण एकादशी को छोटीकाशी में देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कारीगरों, शिल्पकारों और तकनीकी क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों ने अपने औजारों, उपकरणों और कार्यस्थलों की पूजा कर भगवान विश्वकर्मा से उन्नित और समृद्धि की कामना की। भगवान विश्वकर्मा मंदिरों में सुबह अभिषेक कर नवीन पोशाक धारण कराकर फूलों से श्रृंगार किया गया। हवन के बाद महाआरती की गई। आगरा रोड घाट की गुणी स्थित विश्वकर्मा मंदिर में सुबह पंचामृत अभिषेक की मंदिर में पचरंगी ध्वजा चढाई गई। भगवान को नवीन पोशाक धारण कराने के साथ पूजा-अर्चना संपन्न हुई।

आर.ए.एस. अभ्यर्थी की दिव्यांगता एम्स में जांचने के आदेश दिए

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएएस भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा में पास अभ्यर्थी की दिव्यांगता जांच के लिए एम्स, जोधपुर को निर्देश दिए हैं। वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता को कहा है कि वह जांच के लिए 23 सितंबर को मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित हो।

अदालत ने जांच रिपोर्ट सात अक्टूबर को अदालत में पेश करने को कहा है। जस्टिस मनीष शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश गोबिंद राम व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने कि याचिकाकर्ता के पास सक्षम अधिकारी की ओर से जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र और यूनिक आईडी कार्ड भी है। दिव्यांगता प्रमाण पत्र में उसे पचास फीसदी स्थाई दिव्यांग घोषित किया गया है। इसके बावजूद भी आरपीएससी ने उसे यह कहते हुए साक्षात्कार में शामिल नहीं कर रही कि उसकी दिव्यांगता अस्थाई है। आयोग के मेडिकल बोर्ड ने उसे 52 फीसदी दिव्यांग बताते हुए दिव्यांगता की प्रकृति अस्थाई बताई है। याचिका में कहा गया कि उसके दिव्यांगता प्रमाण पत्र और आयोग के मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में विरोधाभास है। ऐसे में उसकी जांच एम्स, जोधपुर के विशेषज्ञों से कराई जाए और उसे आरएएस के साक्षात्कार में शामिल होने दिए जाए। इस पर आरपीएससी के वकील एमएफ बेग ने कहा कि आयोग में आरएएस भर्ती के साक्षात्कार 24 अक्टूबर तक होना प्रस्तावित है। यदि मेडिकल रिपोर्ट याचिकाकर्ता के पक्ष में आती है तो उसे साक्षात्कार में शामिल किया जा सकता है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता का एम्स, जोधपुर से दिव्यांगता जांच कराने के आदेश देते हुए उसकी रिपोर्ट अदालत में पेश करने को कहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर रही सेवा कार्यों की धूम

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर बुधवार को राजधानी में अनेक आयोजन हुए। स्वेज फार्म, नंदपुरी स्थित सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर के प्रांगण में दिव्य शक्ति यज्ञ का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक गोपाल शर्मा ने यज्ञ में आहुतियां प्रदान की। साथ ही सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ किया। संत अवधेशदास महाराज के सान्निध्य में विधि-विधान से हवन संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हवन, पूजन और सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ में भाग लिया। सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुदीर्घ, स्वस्थ और सुमंगल जीवन के साथ-साथ राष्ट्रहित और जनता की समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

यज्ञ की पूर्णाहूति में अवधेशदास महाराज ने विधायक गोपाल शर्मा की उपस्थिति में सभी श्रद्धालुओं को स्वदेशी वस्तुओं को उपयोग करने का संकल्प कराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल में संत समाज पूरी तरह से राष्ट्रहित के मोर्चे पर सदैव उनके साथ खड़ा है।विधायक गोपाल शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस सेवा पखवाड़ा को एक अवसर के रूप में लें और समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करें। इस अवसर पर इंदु परमार, राधे-राधे क्लब अध्यक्ष मनोज बंसल, राजेश बंसल, नगर निगम चेयरमैन पवन शर्मा नटराज, पूनम शर्मा, पूर्व चेयरमैन भंवरलाल सैनी, पार्षद रेखा राठौड सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। निखिल वर्मा के नेतृत्व में शास्त्री नगर के चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके बाद 521 दीयों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु होने की कामना के लिए महाआरती और प्रसाद वितरण कार्यक्रम हुए। पवन सैनी के नेतृत्व में केक कटिंग और नमो विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें विधायक गोपाल शर्मा ने प्रधानमंत्री के जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेने का आव्हान किया।

अग्रवाल-खण्डेलवाल ट्रस्ट व बद्रीनाथ मंदिर के पुजारी के बीच विवाद गहराया

पुलिस ने मंदिर परिसर के बाहर मौजूद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया

गंगापुर सिटी, (निसं)। शहर के मध्य स्थित बद्रीनाथ मंदिर को लेकर अग्रवाल-खंडेलवाल धर्मशाला ट्रस्ट और पुजारी रामेश्वर शर्मा के बीच बुधवार को एक बार फिर विवाद गहरा गया है। पिछले तीन वर्षों से चल रहा यह विवाद बुधवार को उस समय तीखा हो गया, जब पुलिस ने मंदिर परिसर के बाहर मौजूद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया। बुधवार को समाज के लोग मंदिर पहुंचकर विवाद सुलझाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें मंदिर में प्रवेश नहीं करने दिया।

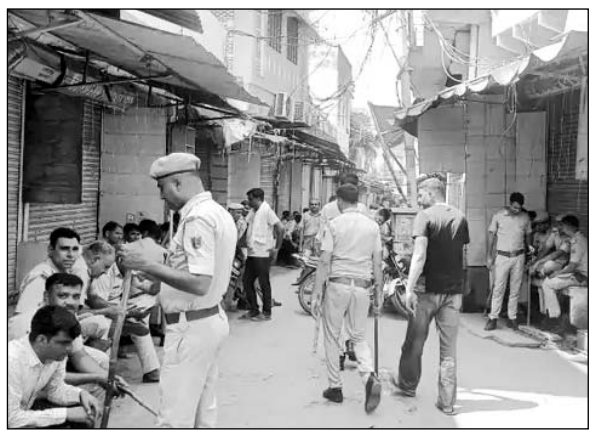

बद्रीनाथजी मंदिर के बाहर पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

आरोप है कि पुलिस के बल प्रयोग से लोगों में आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते हजारों महिला-पुरुष मंदिर के बाहर धरने पर बैठ गए। हालात बिगड़ते देख शहर का मुख्य बाजार बंद हो गया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू हो गई। धरने पर बैठे अग्रवाल-खण्डेलवाल समाज के लोगों का कहना है कि पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिससे समाज के कई लोग चोटिल हुए हैं। पुलिस प्रशासन के विरोध में गंगापुर सिटी सहित सवाईमाधोपुर, करौली, वजीरपुर में प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की और ट्रस्ट की सम्पत्ति को पुजारी से मुक्त कराकर ट्रस्ट को सौंपने की मांग की। इससे पहले पुरानी अनाज मण्डी स्थित सीताराम जी कें मंदिर पर दोनो समाजों की आमसभा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रशासन के द्वारा पुजारी को संरक्षण देने एवं अग्रवाल खण्डेलवाल ट्रस्ट अध्यक्ष की ओर से मारपीट की एफआईआर दर्ज नहीं करने पर आक्रोश फैल गया। समाज के जेड वन प्रशासन की इस तरह की कार्रवाई से आक्रोशित हो गया और सभी ने एकराय हो कर बाजार में रैली निकाल कर बद्रीनाथ मंदिर पहुंचे जहां पर पहले से ही सुरक्षा के लिए लगे पुलिसकर्मियो ने सभी को मंदिर में प्रवेश करने से रोका जिस पर धक्का मुक्की हो गई। वहीं पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग कर दिया।

> ■ हालात बिगड़ते देख शहर का मुख्य बाजार बंद हो गया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की

पुजारी पर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप :-चार दिन पहले ही ट्रस्ट पदाधिकारियों ने पुजारी रामेश्वर शर्मा पर गाली-गलौज और मारपीट के आरोप लगाए थे। समाज का कहना है कि इस संबंध में थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

प्रशासन की सख्त निगरानी :-स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त जिला अधिकारी रामकिशोर मीणा, उपखण्ड अधिकारी बृजेंद्र मीणा, एएसपी राकेश राजोरा, डीएसपी सीताराम, कोतवाली, सदर व अन्य थानों के अधिकारी और सैकडों पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। एडीएम की मौजूदगी में ट्रस्ट और समाज के पदाधिकारियों के बीच बातचीत का दौर शुरू किया गया। धरने में जिलाध्यक्ष गोविन्द बरनाला, नगर परिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल, पूर्व उपसभापति दीपक सिंघल, अग्रवाल-खण्डेलवाल धर्मशाला ट्रस्ट अध्यक्ष सहित समाज के कई प्रमुख लोग शामिल हुए। समाज की ओर से मांग की गई कि प्रशासन निष्पक्ष कार्रवाई करे और न्यायालय के आदेशों की पालना सुनिश्चित की जाए। अग्रवाल-खंडेलवाल ट्रस्ट का दावा है कि बद्रीनाथ मंदिर समाज की संपत्ति है, जबकि पुजारी रामेश्वर शर्मा इसे सर्वसमाज का मंदिर बताते हैं। शर्मा परिवार कई पीढ़ियों से यहां पूजा-अर्चना और देखरेख करता आया है। पहले यह परिवार वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में कार्यरत था, लेकिन ट्रस्ट ने जब कर्मचारियों को बदलने का निर्णय लिया तो पुजारी परिवार ने मंदिर खाली करने से इनकार कर दिया। ट्रस्ट अध्यक्ष रवीन्द्र खण्डेलवाल ने बताया कि न्यायालय से ट्रस्ट के पक्ष में फैसला सुना दिया, इसके बावजूद प्रशासन ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की।

पुलिस प्रशासन द्वारा लाठी चार्ज करने के विरुद्ध एवं अपराधियों को संरक्षण देने के विरोध में गंगापुर सिटी सहित सवाई माधोपुर जिले एवं तहसील स्तर पर सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान दुकान बंद रखने का निर्णय लिया है। अग्रवाल खंडेलवाल ट्रस्ट धर्मशाला के सामने चल रहे धरने पर निर्णय के अनुसार अग्रवाल समाज संघ जिला अध्यक्ष गोविंद प्रसाद बरनाला ने बताया कि सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखकर एवं सरकारी कर्मचारी एक दिन का अवकाश लेकर सभी समाज के बंधु धरना स्थल पहुंचे। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि ट्रस्ट की धर्मशाला एवं मंदिर से असामाजिक तत्वों को शीघ्र गिरफ्तार नहीं किया गया एवं लाठीचार्ज करने वाले पुलिस प्रशासन पर कार्रवाई नहीं की गई तो पूरे राजस्थान बन्द का आव्हान किया जायेगा।

अज्ञात कारणों से घर में आग लगी, लाखों का नुकसान

घरेलू सामान सहित नकदी व आभूषण भी जले

पावटा, (निसं)। कस्बा पावटा ढाणी माच्छावाली नवोदय विद्यालय के पीछे स्थित एक घर में बुधवार को अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग लगने से हड़कम्प मच गया। इस घटना में घर गृहस्थी का सामान सहित नकदी व आभूषण जिनकी कीमत करीब तीन लाख रुपए है, जलकर राख हो गया। गनीमत यह रही कि परिवार के बच्चे स्कूल और सदस्य बाहर होने की वजह से कोई जनहानि नहीं हुई।

आग से घर का सामान जलकर राख हो गया।

यह मामला प्रागपुरा थाना क्षेत्र के कस्बा पावटा स्थित ढाणी माच्छावाली नवोदय विद्यालय के पीछे मुकेश पुत्र मालीराम के घर का है जहां अचानक आग की लपटें उठने लगीं। खेतों में काम कर रहे परिजनों और पड़ोसियों ने धुआं देखकर तुरंत पानी डालकर उसे बुझाने का प्रयास किया। वही पावटा प्रागपुरा नगरपालिका फायर बिग्रेड को फोन किया गया। जब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने से घर में घरेलू सामान, हाल में फसल बेच कर आए 55 हजार रुपए नकद, करीब एक लाख के आभूषण, कूलर, फ्रिज, पंखे सहित अन्य सामान पूरी तरह जल गया। पीड़ित परिवार को करीब तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पीड़ित मुकेश ने बताया कि जब तक आसपास के लोग निजी नलकूप चलाकर व फायर बिग्रेड आग पर काबू पाते, तब तक सब कुछ जल चुका था। स्थानीय लोगों ने बताया कि परिवार मजदूरी और खेती करके जीवन यापन कर करता है इस आगजनी से परिवार को आर्थिक रूप बड़ा नुकसान हुआ है जिससे प्रशासन ने गुहार लगाई कि परिवार को सरकार द्वारा सहायता प्रदान की जाए। वहीं हल्का पटवारी ने सूचना मिलते ही मौके पर जाकर मौका मुवायना किया।

दो जनों को सात वर्ष का कठोर कारावास

रतनगढ़, (निसं)। थाना रतनगढ़ के 10 वर्ष पुराने प्रकरण 172/245 सरकार बनाम सोनू उर्फ़ सन्नी मामले में अपर जिला सेशन न्यायाधीश सुरेंद्र कौशिक ने दोनों अभियुक्तों को सात-सात वर्ष की कठोर कारावास एक-एक लाख रुपया के जुर्माने का अर्थदंड से दंडित किया है। अपर लोक अभियोजक डॉ जयाकांत बिंवाल ने बताया कि प्रकरण में तत्कालीन थानाधिकारी रतनगढ़ छुगसिंह ने 15 जुलाई 2015 को 50 किलो 800 ग्राम डोडा पोस्ट साबुत व 500 ग्राम अफीम को अपने क़ब्ज़े में रखने व परिवहन करने के अपराध में गिरफ़्तार किया था। न्यायालय में गवाहों के बयानों में प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर अभियुक्त गण जितेन्द्र पुत्र राजेंद्र निवासी भूथनकला हरियाणा व सोनू उर्फ़ सन्नी पुत्र सुभाष निवासी झालनिया फतेहाबाद को दोषी मानकर बुधवार को सात-सात वर्ष के कठोर कारावास व एक-एक लाख का अर्थदंड से दंडित किया जाकर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक डॉ. जयाकांत बिंवाल ने की।

नकबजन गैंग का पर्दाफाश, दो जने गिरफ्तार

रात्रि के समय मंदिरों व सूने मकानों में चोरी करते थे

बांसवाड़ा, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने रात्रि के समय मंदिरों व सूने मकानों में चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर दर्जनों घटनाओं के खुलासे का दावा किया है।

पुलिस ने नकबजनी गैंग के आरोपी को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में हो रही चोरी की वारदातों का पर्दाफाष करने के लिये एएसपी डॉ. राजेश भारद्वाज के सुपरविजन व पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा के निकट पर्यवेक्षण में सदर थानाधिकारी बुद्धाराम के नेतृतव में पुलिस टीम गठित की गयी। इस टीम ने गहन अनुसंधान, तकनीकि विश्लेषण, मुखबीर तंत्र एवं आसूचनाएं संकलित करते हुए जिले में अलग-अलग जगहों पर मंदिरों व सुने मकानों में रात्रि के समय नकबजनी व चोरी की घटना के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों से फुटेज प्राप्त किये। पुलिस टीम ने मुखबिरों से लगातार संपर्क में रहते हुए सूचनाएं प्राप्त की वहीं पूर्व में चालानशुदा अपराधियों पर सतत निगरानी रखते हुए उनके मोबाईल नंबरों की सीडीआर प्राप्त कर जांच की। पूर्व में नगबजनी, चोरी व अन्य प्रकरणों में शामिल संदिग्ध रमेश पुत्र रमीया पुत्र भाणजी निनामा निवासी खेरडाबरा को डिटेन कर पूछताछ की तो उसने सुनील व उसके साथियों के साथ मिलकर 9 वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस टीम में थानाधिकारी बुद्धाराम विश्नोई, सहायक उपनिरीक्षक रमेशचन्द्र, हैड कांस्टेबल केशवचन्द्र, पुलिस लाईन के हैड कांस्टेबल गजेन्द्र सिंह, सदर थाना के कांस्टेबल मुकेश, राहुल व विजय शामिल रहे।

चार हजार रुपये की रिश्वत लेते लाइनमैन गिरफ्तार

करौली/जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की करौली टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए कार्यालय सहायक अभियन्ता (ओएंडएम) जयपुर डिस्कॉम बसेड़ी जिला धौलपुर के नयावास फीडर तकनीकी द्वितीय (लाइनमैन) लोकेश कुमार मीना को परिवादी से उसके पिता के नाम स्वीकृत घरेलू विद्युत कनेक्शन पर स्थापित विद्युत मीटर में अधिक रीडिंग को जीरो करने एवं मीटर को बदलने की एवज में चार हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

एसीबी की टीम ने लाईनमैन (गोले में) को गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की (कार्यवाहक) पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी की करौली टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके पिता के नाम स्वीकृत घरेलू विद्युत कनेक्शन पर स्थापित विद्युत मीटर की विद्युत उपभोग रीडिंग को जीरो करने एवं मीटर को बदलने की एवज में छह हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। जिस पर एसीबी करौली के पुलिस निरीक्षक जगदीश भारद्वाज के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए लाईनमैन लोकेश कुमार मीना को चार हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

गर्ल्स हॉस्टल के मालिक पर धमकाने का आरोप

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके के कोरल पार्क में उस समय विवाद खड़ा हो गया जब एक गर्ल्स हॉस्टल का मालिक बंदूक लेकर बॉयज हॉस्टल में धमकाने के लिये पहुंचा। जानकारी के अनुसार कोरल पार्क में स्थित बॉयज हॉस्टल के छात्रों ने बालकनी में खड़े होकर केले खाये थे, जिसके छिलके पास में स्थित गर्ल्स हॉस्टल की बालकनी में फेंक दिये। जिसके बाद हॉस्टल में रह रही छात्राओं ने इसकी शिकायत हॉस्टल के मालिक से की। बोरखेड़ा थाने में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी। मामला सोमवार रात का बताया जा रहा है।

बोरखेड़ा थाना अधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि बोरखेड़ा इलाके के कोरल पार्क में बॉयज हॉस्टल के पास में गर्ल्स हॉस्टल है। थानाधिकारी ने बताया कि बॉयज हॉस्टल वार्डन महेन्द्र गोचर ने थाने में शिकायत दी थी, जिसमें गर्ल्स हॉस्टल के मालिक विवेक गर्ग पर आरोप लगाया कि उसने हॉस्टल में घुसकर गन से डराया धमकाया है। इस पूरे प्रकरण की जांच पड़ताल की गई।

थानाधिकारी ने बताया कि प्रथमदृष्टा से जांच में सामने आया कि छात्रों ने गर्ल्स हॉस्टल की बालकनी में केले के छिल्के फेंके थे जिसके बाद पूरा विवाद खड़ा हो गया। विवेक गर्ग के पास लाईसेंसी रिवाल्वर है और वह हमेशा साथ में रखता है। छात्राओं ने सामने वाले हॉस्टल के छात्रों की शिकायत हॉस्टल के मालिक से की थी। इस पर गर्ल्स हॉस्टल संचालक विवेक गर्ग जो बाहर रहते है फिलहाल कोटा आये हुए थे, हॉस्टल को उनकी पत्नी संभालती है। हॉस्टल मालिक विवेक गर्ग छात्रों को समझाने गया था। मामले की जांच की जा रही है।

नवरात्र घट स्थापना की तैयारियां जोरों पर

जयपुर। राजा पार्क स्थित वैष्णो देवी मंदिर पंचवटी सर्किल में इस बार नवरात्रा पर्व विशेष धूमधाम से मनाया जाएगा। 22 सितंबर को नवरात्रा घट स्थापना के साथ ही नौ दिनों तक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

जानकारी के अनुसार मंदिर में नवरात्रे से पहले मंदिर में रंग-रोगन का कार्य चल रहा है और माता की मूर्ति का विशेष श्रृंगार किया जा रहा है। वहीं घट स्थापना के साथ ही मंदिर के दर्शन खुलेगे। जिसका समय सुबह छह बजे से दोपहर 12 तक और शाम पांच बजे रात दस बजे खुले रहेगे। मंदिर कमेटी उपाध्यक्ष कमलेश कुमार ने बताया कि पूरे मंदिर परिसर को रंगीन लाइटों, चुनरी और रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जा रहा है। माता का अनूठा श्रृंगार किया जाएगा। नौ दिनों तक माता को सात से नौ बार नए पोशाक धारण कराए जाएंगे।

मंदिर कमेटी कोषाध्यक्ष इन्द्रजीत शर्मा ने बताया कि पूरे नवरात्र के दौरान प्रतिदिन सुबह और शाम चार से पाँच हजार दोने प्रसादी भक्तों को वितरित की जाएगी। इसमें माता का भोग हलवा,चना और पूडी रहेगा।

मंदिर कमेटी अध्यक्ष राज भाटिया और सचिव राजकुमार भाटिया ने बताया कि यह मंदिर वर्ष 2004 में स्थापित हुआ था। तब से ही यहां माता को साल के 365 दिन सुबह-शाम देशी घी के हलवे और चने का भोग लगाया जाता है और भक्तों में बाँटा जाता है।

इसके अलावा नवरात्रा के अतिरिक्त भी हर दिन माता को दिन में तीन बार नई पोशाक (साड़ी) धारण करवाई जाती है। बाद में ये साड़ियाँ गरीब बच्चियों की शादी में दान की जाती हैं और कुष्ठ आश्रमों व ज़रूरतमंद परिवारों तक पहुँचाई जाती हैं।

पंजाब के राज्यपाल कटारिया जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया बुधवार को भगवंतो के दर्शनार्थ चौरड़िया भवन पहुंचे। उन्होंने गुरुदेव सुमति मुनि मसा आदि ठाणा के दर्शन कर गुरु भगवंतो से बोध प्राप्त कर मांगलिक श्रवण किया। इस अवसर पर राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया का संघ अध्यक्षत देवराज बोहरा में साफा पहनाकर, मंत्री माणकचंद्र ललवानी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

इस अवसर पर उगमराज कोठारी ने सामायिक उपकरण तथा अशोक बोहरा ने जिनवाणी में आनन्द आवै नामक पुस्तक भेंट कर कटारिया का अभिनंदन किया। रवि बोहरा ने तिलक लगाकर, गौतम खिंवसरा एवं धर्मेश रूटिया ने शाल ओढ़ाकर तथा सुश्रावक प्रसन्नचंद मेहता, जसवंत राज मेहता, प्रकाश भंसाली, राजेन्द्र लुणिया, मुकेशु मुथा, किशोरमल बोहरा, अमृत लालवाणी, पारसमल पालगोता ने माला पहनाकर स्वागत किया। राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने संघ के प्रति सद्भावना प्रकट की। इससे पूर्व सुमति मुनि ने आज अपने प्रवचन में बताया कि शरीर की लाचारी को छोड़ कर आत्मा का ध्यान रखना चाहिए। हमारी कोई गलती बताकर हम पर उपकार कर रहा है। हमारी गलती हो या नहीं हो हमको कर्म क्षय का अवसर प्रदान किया है। हम भाव अपना कर स्थिर रह सकते हैं। हमको जब भी समय मिले हमको प्रतिकुल परिस्थतियों, व्यक्तियों के मध्य रहकर करुणाभाव अपना कर स्थिर रह सकते हैं। साध्वी श्री ने कहा कि जिसको अपने आप बोध होता है वह निसर्ग रुचि है एवं जिनको उपदेश सुन कर धर्म रुचि बढ़े वह अभिगम रुचि है।

किशनगढ़ बास के सरकारी विद्यालयों का न्यायाधीश ने किया निरीक्षण

किशनगढ़ बास, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) जयपुर के निर्देशानुसार न्यायाधीश रनवीर सिंह ने बुधवार को किशनगढ़ बास उपखण्ड क्षेत्र के करीब एक दर्जन सरकारी विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर स्कूल भवनों की हालत व छात्रों के लिए की गई वैकल्पिक व्यवस्था का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी आशीष यादव व किशनगढ़ बास पुलिस थाना सहायक उप निरीक्षक सतीश कुमार मौजूद रहे। निरीक्षण की सूचना से सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में शिक्षकों ने बच्चों को जर्जर कमरों से हटाकर दूसरे कमरों में बैठा दिया और विद्यालयों के मुख्य गेट पर ताला लगा दिया गया। शिक्षकों के द्वारा अन्य स्कूलों में फोन के माध्यम से सूचना दिए जाने की बात सामने आई तो न्यायाधीश नाराजगी जताई।

> ■ स्कूल भवनों की हालत व छात्रों के लिए की गई वैकल्पिक व्यवस्था का अवलोकन किया
>
> ■ निरीक्षण के दौरान अधिकतर विद्यालयों के भवनों की स्थिति जर्जर एवं दयनीय पायी गयी

सरकारी विद्यालयों के भवनों की जर्जर हालत को निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश व टीम ने कैमरे में लिया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल के लिपिक हेमराज परेवा ने बताया कि निरीक्षण राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप स्कूलों के जर्जर भवनों और छात्रों के लिए की गई वैकल्पिक व्यवस्था की जांच के उद्देश्य को लेकर न्यायाधीश रनवीर सिंह ने टीम के साथ क्षेत्र के गांव थानाघोड़ा, पड़ासला, मिर्जापुर, रावका, लालपुरी, घांसौली, बृसिंगपुर, सच्चुराम राजपूत की ढाणी सहित 13 सरकारी विद्यालयों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकतर विद्यालयों के भवनों की स्थिति जर्जर एवं दयनीय पायी गयी। भवनों की दीवारों में सीलन व दरार पायी गयी साथ ही छत का प्लास्टर उखड़ा हुआ मिला जिनमें बच्चों को पढ़ाया जाना सुरक्षा की दृष्टि से न्यायसंगत नहीं बताया गया, जो जर्जर और असुरक्षित भवन सबसे बड़ी चिंता का विषय थे। लगभग सभी विद्यालयों के शौचालयों में गंदगी पायी गयी इसके साथ ही बालिकाओं के लिए बने शौचालयों की स्थिति और भी अति दयनीय मिली जिससे संक्रमण का खतरा बना हुआ है। निरीक्षण में न्यायाधीश ने पाया कि विद्यालयों के जर्जर भवनों में ही विद्यार्थियों का शिक्षण कार्य करवाया जा रहा है इसके लिए अलग से कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कराई गई है जो किसी गम्भीर दुर्घटना के घटित होने का संकेत दे रही है।

कस्तूरबा आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा सचिव तथा जिला प्रभारी सचिव कृष्ण कुणाल ने बुधवार को श्रीडूंगरगढ़ के जैतासर में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान शिक्षा निदेशक सीताराम जाट, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल तथा जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय) किशन दान चारण, एडीपीसी कृष्ण कुमार बिश्नोई, सहायक निदेशक विक्रम सिंह चौहान सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्रभारी सचिव ने आवासीय विद्यालय में बालिकाओं के रहने-खाने की व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया और सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बालिकाओं से भी पढ़ाई और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। शिक्षा विभाग के अधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें तथा सुनिश्चित करें कि बालिकाओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि बेटियां खूब मन लगाकर पढ़ें और अपने परिवार और शहर का नाम रोशन करें। प्रभारी सचिव ने नवनिर्मित बिल्डिंग का निरीक्षण किया। इसकी गुणवत्ता पर संतोष जताया। स्कूल परिसर में उन्होंने पौधारोपण किया तथा जिले में शिक्षा विभाग द्वारा किए गए पौधरोपण की जानकारी ली।

अलापुर में जाति बदलकर फर्जीवाड़े से जमीन खरीदने के मामले की सच्चाई सामने आई

अलवर, (निसं)। आलापुर गांव में जाति बदलकर जमीन खरीदने का मामले की सच्चाई पटवारी की रिपोर्ट के साथ ही सामने आ गई है। पटवारी ने अपनी रिपोर्ट अलवर एसडीएम को भेज दी है, जिसमें उसने दावा किया है कि भूमि खरीददार जीत सिंह एससी का ना होकर ओबीसी का है। जगता बसई के पटवारी प्रेमपाल सिंह राठौड़ ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पीपली का बास मे निवासी जीत सिंह पुत्र बंजार सिंह के नाम कई जमीन है, जिनके रिकॉर्ड के मुताबिक जीत सिंह राय सिख है ना कि मजबी सिख इसकी गवाही दर्जनों ग्रामीणों ने पटवारी की रिपोर्ट पर दी है। पीड़ित पक्ष को यह न्याय मीडिया की लगातार खोजपूर्ण खबरों के बाद ही मिल पाना संभव हुआ है। अब एक कड़ी में एक और खरीदारी की जाति रिपोर्ट गोविंदगढ़ के पटवारी की आना बाकी है जैसे ही दूसरी रिपोर्ट आएगी जिला प्रशासन हरकत में आ जाएगा।

> ■ पटवारी की रिपोर्ट ने खोली फर्जीवाड़े की कलाई, तहसीलदार व पटवारी पर गाज गिर सकती है
>
> ■ पटवारी ने अपनी रिपोर्ट अलवर एसडीएम को भेज दी है, जिसमें उसने दावा किया है कि भूमि खरीददार जीत सिंह एससी का ना होकर ओबीसी का है

मामले के अनुसार अलवर तहसील अंतर्गत पडने वाली माचडी पंचायत के गांव अलापुर में जाति बदलकर एससी के गुजरमल पुत्र मवासी की भूमि को ओबीसी के बंजार सिंह और रणजीत सिंह राय सिख ने मजबी सिख बनकर अपने नाम करवा ली थी। मामले को मीडिया ने जोर-शोर से उठाया। बाद में अलापुर निवासी भूमि धारक का पोता ने एक शिकायती पत्र अलवर एसडीएम के सम्मुख पेश कर उन्हें भी इस मामले से अवगत कराते हुए खरीददार जीत सिंह पुत्र बंजार सिंह राय सिख निवासी पीपली का बास तहसील किशनगढ़ बास और रणजीत सिंह पुत्र नत्था सिंह राय सिख निवासी तहसील लक्ष्मणगढ़ सहित नए खरीदार जाति बदलने वाले तहसीलदार और पटवारी को आरोपी बनाकर उनके खिलाफ कार्यवाही करने की मांग करते हुए भूमि को वापिस उसी के नाम करवाने की मांग की थी।

क्या लिखा है शिकायती पत्र में :-अलापुर निवासी गुर्जर मल के पोत्र दिनेश कुमार पुत्र किशोरी लाल ने इस संदर्भ में एक शिकायती पत्र अलवर एसडीएम को उनके कार्यालय पहुंच कर सौंपा है, जिसमें उसने बताया है हाल खसरा नम्बर 22 एवं 24 को जीत सिंह पुत्र बंजार सिंह जाति राय सिख ने प्रथम बार जमीन मालिक गुजरमल पुत्र मवासी जाति जाटव खातेदार से मजबी सिख बनकर एससी की जमीन की खरीद की थी, जिसका नामांतरण संख्या 536 एव 537 निर्णय 31 मई 1990 को स्वीकृत कर जमाबंदी 2045-48 में नामांतरण का नोट अंकन कर दिया गया। नामांतरण में भी जीत सिंह पुत्र बंजार सिंह की जाति मजहबी सिख दर्ज की गई, जिसने राजस्थान टीनेक्स एक्ट 1955 की धारा 42 का उल्लंघन किया गया है, जिसके बाद से लगातार 2069-2072 खाता संख्या 106 में जीत सिंह पुत्र बंजार सिंह निवासी पीपली का बास तहसील किशनगढ़ बास अलवर की जाति रिकार्ड में मजबी सिख दर्ज की गई। उस समय तत्कालीन पटवारी नंदकिशोर परेवा हाल आफिस कानूनगो मालाखेड़ा द्वारा जमाबंदी 2069-72 के खाता संख्या 106 को आधार मानते हुए शुद्धि पत्र संख्या 2 दिनांक 14 जून 2018 को अलापुर से रणजीत पुत्र नत्था सिंह जाति राय सिख से मजबी सिख कर दी गई, परन्तु जानबूझकर उसी खाते में दर्ज जीत सिंह पुत्र बंजार सिंह की जाति रायसिख से मजबी सिख करना छोड़ दी गई, जिस कारण जीत सिंह ने पुन: उक्त खसरों का बेचान रेशम कौर पत्नी तारा सिंह जाति राय सिख वगेराह को कर दिया। अगर उसी समय तत्कालीन पटवारी नंद किशोर परेवा शुद्धि पत्र 2 भरते समय हेराफेरी नहीं की होती तो टिनेक्सी एक्ट की धारा 42 की रिपोर्ट सक्षम अधिकारी को की होती तो उक्त खसरों का बेचान रुक सकता था, लेकिन उसने ऐसा नही किया।

शिकायतकर्ता ने एसडीएम अलवर से मांग की है कि इस भूमि की खरीद-फरोख्त में फर्जीवाड़ा किया गया है एवं फर्जीवाड़े में शामिल तत्कालीन पटवारी सहित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए एवं उक्त जमीन को वापिस गुजर मल के नाम दर्ज करवाई जाए।

खिलाड़ियों को हॉकी की विभिन्न तकनीकों, जैसे कि सटीक पासिंग, गोल स्कोरिंग की रणनीतियां और रक्षात्मक कौशल सीखना चाहिये - हार्दिक सिंह

भारतीय ओलंपियन, हॉकी अकादमी में खिलाड़ियों को गुर सिखाते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ आर्यना सबालेंका

चाइना ओपन आयोजकों ने बताया है कि विश्व की नंबर वन महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। बेलारुस की सबालेंका ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा, सभी को नमस्कार, यूएस ओपन के बाद लगी एक छोटी सी चोट के बाद, मुझे इस साल चाइना ओपन से नाम वापस लेने की घोषणा करते हुए दुख हो रहा है। मैं पूरी तरह स्वस्थ रहने पर ध्यान केंद्रित करूंगी और मैं अपने चीनी प्रशंसकों से जल्द ही मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं मैं अगले साल बीजिंग लौटने का इंतजार कर रही हूं और टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने दोनों फॉर्मेट मिलाकर एशिया कप के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे अधिक अब 45 मैच जीत लिए हैं।

स्मृति मंधाना का शतक, भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 102 रनों से हराया

न्यू चंड़ीगढ़ 17 सितंबर। स्मृति मंधाना (117) की शतकीय और दीप्ति शर्मा (40) की जूझारू पारियों के बाद गेंदबाजों बेहतरी प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला टीम ने बुधवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम को 102 रनों से हरा दिया।

293 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और उसने 12 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। जॉर्जिया वॉल (शून्य) को रेणुका सिंह ने बोल्ड आउट किया। पांचवें ओवर में क्रांति गौड़ ने कप्तान अलिसा हीली (छह) का शिकार किया। एलिस पेरी और बेथ मूनी ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 17वें ओवर में स्नेह राणा ने बेथ मूनी (18) को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी ऐनाबेल सदरलैंड ने एलिस पेरी के साथ चौथे विकेट के लिए 46 रनों की साझेदारी की। 25वें ओवर में राधा यादव ने एलिस पेरी (44) को अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। 30वें ओवर की तीसरी गेंद पर अरुंधति रेड्डी ने ऐनाबेल सदरलैंड (45) को आउट किया। एश्ली गार्डनर (17), तालिया मैक्ग्रा (16) को दीप्ति शर्मा ने आउट किया। अलाना किंग (दो) रनआउट हुई। कांति गौड ने 41वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जॉर्जिया वेयरहम (10) को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को 190 के स्कोर पर समेटकर मुकाबला 102 रनों से अपने नाम कर लिया। भारतीय महिला टीम की ओर से क्रांति गौड़ ने तीन विकेट लिये। दीप्ति शर्मा को दो विकेट मिले। रेणुका सिंह, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी और राधा यादव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना की भारतीय सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 70 रन जोड़े।

12वें ओवर में एश्ली गार्डनर ने प्रतिका रावल (25) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसे बाद बल्लेबाजी करने आये हरलीन देओल (10) पर रनआउट हुई। कप्तान हरमनप्रीत कौर (17) को भी एश्ली गार्डनर ने आउट किया। भारत का चौथा विकेट 192 के स्कोर पर स्मृति मंधाना के रुप में गिरा। उन्हें तालिया मैक्ग्रा ने आउट किया। स्मृति मंधाना ने 91 गेंदों में 14 चौके और चार छक्के लगाते हुए (117) रनों की पारी खेली। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे भारतीय बल्लेबाज टिक नहीं खेले सके। ऋचा घोष (29), राधा यादव (छह) और अरुंधति रेड्डी के विकेट भी भारत ने जल्द गंवा दिये। क्रांति गौड़ (दो) पर रनआउट हुई। दीप्ति शर्मा ने 53 गेदों में (40) रनों की पारी खेली। 50वें ओवर की पांचवी गेंद पर मेगन शूट ने स्नेह राणा 18 गेंदों में 24 रन को आउटकर 292 के स्कोर पर भारतीय पारी को समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के लिए डार्सी ब्राउन ने तीन विकेट लिये। एश्ली गार्डनर को दो विकेट मिले। मेगन शूट, ऐनाबेल सदरलैंड और तालिया मैक्ग्रा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

सुपर में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगे अफगानिस्तान, श्रीलंका

अबू धाबी, 17 सितंबर। श्रीलंका और अफगानिस्तान गुरुवार को एशिया कप 2025 के सुपर चार में जगह बनाने भिड़ेंगे। अफगानिस्तान के लिए जहां टूर्नामेंट में करो या मरो की स्थिति है वहीं श्रीलंका श्रीलंका अपने पिछले पांच टी-20 मैचों में चार जीत की लय के साथ आत्मविश्वास से भरा हुआ है। कल ज़ायेद क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले में श्रीलंका का पलड़ा भारी है। सलामी बल्लेबाज, विशेषकर पथुम निसांका, शानदार फॉर्म में हैं, तेज शुरुआत दे रहे हैं।

चरित असलांका का युवा और अनुभवी संयोजन उन्हें एक संतुलित टीम बनाता है। कुसल मेंडिस और कुसल परेरा पारी की नींव रख सकते हैं, जबकि वानिंदु हसरंगा और दासुन शनाका जैसे पावर हिटर एक ही ओवर में मैच का रुख बदल सकते हैं। वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा शुरुआत में ही आक्रामक हो सकते हैं, जबकि स्पिनर महेश दीक्षाना और हसरंगा बीच के ओवरों में किसी भी टर्न का फायदा उठा सकते हैं।

राशिद खान की अगुवाई वाली अफगानिस्तान टीम के लिए यह एक कठिन परीक्षा होगी। बल्लेबाजी में कुछ खास बदलाव नहीं हुए हैं, रहमानुल्लाह गुरबाज और सेदिकुल्लाह अटल शीर्ष क्रम में उम्मीद जगाते हैं, लेकिन उन्हें दबाव में और अधिक निरंतरता की आवश्यकता होगी। मोहम्मद नबी और गुलबदीन नैब सहित मध्य क्रम को साझेदारियां बनानी होंगी, जबकि अगर अफगानिस्तान को मैच में बने रहना है तो राशिद की लेग स्पिन और डेथ ओवरों में गेंदबाजी का हुनर बेहद अहम होगा।

पिच की बात की जाये तो शेख जायद की पिच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के पक्ष में रहा है। यहां स्पिनर गेंद को टर्न करा सकते हैं और तेज गेंदबाजो को शुरुआत में ही लय हासिल करनी होती है।

श्रीलंका की संभावित एकादश: चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, कुसल परेरा, कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा

अफगानिस्तान की संभावित एकादश: राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नायब, अजमतुल्लाह ओमरजई, मोहम्मद नबी, करीम जनत, नूर अहमद, एएम गजनफर और फजलहक फारूकी।

ओमान के खिलाफ टीम इंडिया में हो सकता है एक बदलाव

बुमराह को दिया जाएगा आराम!

नई दिल्ली, 17 सितंबर। भारत को एशिया कप 2025 में अपना अगला मुकाबला 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ खेलना है। वहीं इस मुकाबले के लिए टीम इंडिया अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव कर सकती है। दरअसल, इस दौरान जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। फिलहाल, भारत सुपर-4 में 21, 24 और 26 सितंबर को अपने मैच खेलेगा।

इसके बाद 28 सितंबर को फाइनल होगा। ऐसे में टूर्नामेंट की प्रब दावेदार ये टीम अगर खिताबी मुकाबले के लिए क्वालीफाई करती है तो उसे सात दिनों में चार मैच खेलने पड़ सकते हैं। टीम प्रबंधन अपने प्रमुख तेज गेंदबाजको आगे के लिए चुनौतीपूर्ण दौर के लिए तरोताजा रखने के महत्व को समझता है।

बुमराह खुद मैच से बाहर रहना चाहते हैं या नहीं, ये तो कहा नहीं जा सकता। लेकिन ये फैसला व्यावहारिक होने की उम्मीद है क्योंकि उन्हें किसी कम महत्व वाले मैच की जगह टूर्नामेंट के आखिरी चरण के लिए पूरी तरह से तैयार रखना बेहतर है विकल्प है। ऐसी स्थिति में अर्शदीप सिंह या हर्षित राणा में किसी एक के खेलने की संभावना है।

अर्शदीप का दावा मजबूत होगा क्योंकि वह ज्यादा अनुभवी है। टी20 अंतर्राष्ट्रीय में वह 100 विकेट पूरा करने के करीब हैं। बल्लेबाजी के मोर्चे पर शीर्ष और मध्यक्रम के बल्लेबाज मैच की परिस्थितियों में क्रीज पर ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। ऐसे में रिंकू सिंह को मौका मिलने की संभावना कम है।

भारत की संभावित प्लेइंग 11

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती।

नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के भाला फेंक फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

टोक्यो, 17 सितंबर। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को गुरुवार को 84.85 मीटर भाला फेंककर विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के भाला फेंक फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने बुधवार को टोक्यो नेशनल स्टेडियम में क्वालीफायर के ग्रुप ए में 84.85 मीटर भाला फेंककर पदक दौर में आसानी से अपनी जगह पक्की कर ली। स्वत: योग्यता सीमा 84.50 मीटर निर्धारित की गई थी। 27 वर्षीय भारतीय एथलीट ने अपने ग्रुप में शुरुआत की और अपने पहले ही थ्रो में इस सीमा को पार कर लिया। नीरज चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 90.23 मीटर है। जो भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। जो उन्होंने इस साल की शुरुआत में दोहा डायमंड लीग में हासिल किया था। जर्मनी के जूलियन वेबर, जो वर्तमान में दुनिया के शीर्ष पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी हैं, अपने पहले ही थ्रो में चूक गए। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम क्वालीफायर ग्रुप बी में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। भारत के रोहित यादव और यशवीर सिंह भी इस ग्रुप में हैं। कुल मिलाकर, 37 में से 12 एथलीट फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे।

पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा और आरपी सिंह बन सकते हैं राष्ट्रीय चयनकर्ता

नई दिल्ली, 17 सितंबर। भारत के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा और आरपी सिंह राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य चुने जा सकते हैं। राष्ट्रीय चयन समिति में दो पद खाली हो रहे हैं और बीसीसीआई ने उन्हें भरने के लिए पिछले महीने आवेदन मंगाए थे। प्रवीण कुमार, आशीष विंस्टन जैदी और शक्ति सिंह ने भी आवेदन भेजे हैं लेकिन ओझा और आरपी सिंह रेस में आगे बताए जा रहे हैं। दोनों अगले महीने पद संभाल सकते हैं।

राष्ट्रीय चयन समिति में सेंट्रल जोन से सुब्रतो बनर्जी और साउथ जोन से एस शरथ की जगह लेने के लिए बीसीसीआई ने कुछ पैमाने तय किए हैं। साउथ जोनसे प्रज्ञान ओझा और सेंट्रल जोन से आरपी सिंह राष्ट्रीय चयनकर्ता बन सकते हैं।

सेंट्रल जोन से उनके अलावा यूपी से ही एक और पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार ने भी आवेदन भरा है। कुमार भारत के लिए कई अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। उनके अलावा यूपी के एक और पूर्व तेज गेंदबाज आशीष विंस्टन जैदी और हिमाचल प्रदेश के शक्ति ने सेंट्रल जोन के लिए आवेदन कर रखा है। बीसीसीआई ने दोनों नए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के लिए जो पैमाने तय किए हैं, उसके मुताबिक कैंडिडेट के लिए कम से कम 7 टेस्ट मैच या 30 प्रथम श्रेणी के मैच या 10 एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच और 20 प्रथम श्रेणी मैच खेला होना अनिवार्य है। इसके अलावा ये भी शर्त है कि वह क्रिकेट से कम से कम 5 साल पहले संन्यास लिया हो और पिछले 5 साल में बीसीसीआई की किसी भी क्रिकेट समिति का सदस्य न रहा हो।

राजस्थान सीनियर वीमेन टीम घोषित

जयपुर, 17 सितंबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की सीनियर वीमेन क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर वीमेन टीम का चयन राजस्थान वीमेन चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन टॉफी, सीनियर वीमेन चैलेंजर ट्रॉफी व सीनियर वीमेन प्रशिक्षण शिविर में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया।

राजस्थान सीनियर वीमेन टीम के चयनित खिलाडी-आयुषीगर्ग, डिंपल कँवर, सुमित्रा कुमारी जाट, चंद्र ज्योत्सना भाटी, आरजू, कंचन हुड्डा, संगीता कुमावत, सिद्धि पवन शर्मा, सुमन मीणा, ज्योति चौधरी, उषा परेरिया, सोनल कलाल, शानू सेन, कौशल्या चौधरी, अक्षितामाहेशवरी, बबितामीणा, गंगा, भावना मीणा, अर्चना योगी, याना वर्मा।

एशिया कप : पाक की टीम यूएई के साथ खेलेगी मैच

दुबई 17 सितंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बार्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि टीम संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ बुधवार रात होने वाले मुकाबले के लिए स्टेडियम रवाना हो गई है। मैच स्थानीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा और टॉस शाम सात बजे होगा। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने ट्वीट कर कहा, "हमने पाकिस्तानी टीम को दुबई क्रिकेट स्टेडियम के लिए रवाना होने को कहा है। आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी।" इससे पहले पीसीबी के प्रवक्ता आमिर मीर ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी, पूर्व अध्यक्ष रमीज राजा और नजम सेठी से मुलाकात की है और वे इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। मैच फिलहाल एक घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया है।" उल्लेखनीय है कि एशिया कप में रविवार को भारत ने पाकिस्तान पर जीत दर्ज की थी और मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और टीम के खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी टीम के साथ हाथ मिलाने से साफ इनकार कर दिया। इसको लेकर पाकिस्तान ने इसे मैच रेफरी एंडी पॉयक्रॉफ्ट को हटाने के लिए आईसीसी में शिकायत दर्ज कराई थी और उसकी मांग नहीं माने जाने पर यूएई के साथ होने वाले मैच से हटने की बात कही थी।

लावण्या सोढ़ानी और राशि चौधरी ने जीते रजत पदक

जयपुर, 17 सितम्बर। जयपुर की लावण्या सोढ़ानी और राशि चौधरी ने चंडीगढ़ में संपन्न खेल शाला जूनियर स्क्वैश ओपन में अपनी-अपनी कैटेगरी में रजत पदक जीते। राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा ने बताया कि लावण्या ने गर्ल्स अंडर-17 प्रतियोगिता के सेमी फाइनल में जीनत सुलताना को 11-0, 11-5, 11-3 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई लेकिन फाइनल में उन्हें गरिमा नागर के हाथों 13-15, 4-11, 7-11 से हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। वहीं गर्ल्स अंडर-15 में राशि चौधरी ने सेमी फाइनल में तीसरी वरीयता की कायरा गढ़ा के खिलाफ 11-8, 11-8, 11-9 से धमाकेदार जीत के साथ फाइनल में कदम रखा लेकिन फाइनल में राशि को भी सानवी बक्षी के हाथों 9-11, 11-9, 6-11, 11-6, 5-11 से हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। बॉयज अंडर-11 में जयपुर के युवान वर्मा सेमी फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त आरव बैकंट कोथापल्ली से 7-11, 11-9, 3-11, 11-4, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा।

ऑल स्टार पोलो टीम ने नेवी कानोता पोलो टीम को हराया

जयपुर, 17 सितम्बर। रामबाग पोलो ग्राउंड पर नेवी कानोता पोलो टीम ओर ऑल स्टार पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें ऑल स्टार पोलो टीम ने नेवी कानोता पोलो टीम को 3 के मुकाबले 10 गोल से हराया। नेवी कानोता पोलो टीम की ओर से प्रताप सिंह कानोट ने 1ओर गोंज़ालो यानज़ोन ने 2 गोल किए। वहीं ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से मतिहास ने 2, ध्रुवपाल गोदारा ने अपनी टीम के लिए 5 गोल ओर मतिहास ने 3 गोल कर अपनी टीम को जीताया।

सात्विक-चिराग प्री-क्वार्टरफाइनल में, लक्ष्य सेन बाहर

शेनझेन, 17 सितम्बर। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शेनझेन एरिना, शेनझेन / में चल रहे ली-निंग चाइना मास्टर्स 2025 के राउंड ऑफ 16 में प्रवेश कर लिया है। इस भारतीय जोड़ी ने अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 42 मिनट में 24-22, 21-13 से सीधे गेमों में हराकर की। अब उनका सामना प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में चीनी ताइपे के चिउ सियांग चीह और वांग ची-लिन से होगा। लक्ष्य सेन और ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की मिश्रित युगल जोड़ी पहले दौर में हारकर बाहर हो गई।

3 आईपीएल टीमों के बीच मची होड, द्रविड़ को बनाना चाहती है अपना नया हेड कोच

नई दिल्ली, 17 सितंबर। राहुल द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स का हेड कोच बनने के ठीक एक साल बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसका मतलब है कि, आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स को नया कोच तलाशना होगा। द्रविड़ टी20 वर्ल्ड कप विजेता कोच हैं। भारत को वर्ल्ड चैंपियन बनाकर आ रहे थे। अब जब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स से अपना नाता तोड़ दिया है तो कई दूसरी फ्रेंचाइजी उन्हें अपने साथ जोड़ने के लिए बेकरार है।

राजस्थान रॉयल्स के अलावा कोलकाता नाइटराइडर्स एकमात्र ऐसी टीम है, जिसके पास फिलहाल कोई हेड कोच नहीं है। चंद्रकांत पंडित साल 2025 में टाइटल डिफेंड नहीं कर पाए। कई प्लेयर्स भी उनसे खुश नहीं थे इसलिए उन्हें पद से हटा दिया गया। अब तीन बार चैंपियन टीम हेड कोच की तलाश में है, ऐसे में उन्हें द्रविड़ से बेहतर नाम मिलने की संभावना कम ही है।

दिल्ली कैपिटल्स

दिल्ली कैपिटल्स के साथ राहुल द्रविड़ पहले भी काम कर चुके हैं और 2016 सीजन में उनके मेंटॉर भी रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हेमंग बदानी ज्यादा अनुभवी नहीं हैं और द्रविड़ के साथ बेहतरी शुरुआत के बाद 2025 में प्लेऑफ में न पहुंच पाना एक बड़ा बदलाव ला सकता है।

लखनऊ सुपर जायंट्स

जब से जस्टिन लैंगर ने दो साल पहले लखनऊ सुपरजायंट्स की कमान संभाली है तो तब से टीम प्लेऑफ में पहुंचने में नाकाम रही है। मालिक संजीव गोयनका ने आईपीएल 2025 से पहले जहीर खान को टीम का मेंटॉर बनाया, लेकिन वह भी जादू चलाने में असफल ही रहे। अब जब राहुल द्रविड़ किसी टीम के साथ नहीं जुड़े हैं तो हो सकता है कि लखनऊ फ्रेंचाइजी उन्हें साइन करने की कोशिश करें हालांकि, इसकी संभावना कम ही दिख रही है।

पीकेएल-12 : दबंग दिल्ली केसी की शानदार वापसी

तेलुगू टाइटंस को हराकर अंकतालिका के शीर्ष पर पहुंची

जयपुर, 17 सितंबर। आशू मलिक (2) नहीं चले लेकिन डिफेंडरों (15 अंक) ने दबंग दिल्ली केसी की शानदार वापसी कराते हुए लगातार छठी जीत के साथ अंक तालिका के शीर्ष पर उसका पहुंचना तय किया। दिल्ली ने सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में बुधवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 37वें मुकाबल में तेलुगू टाइटंस को 33-29 के अंतर से हराया।

दिल्ली के लिए नीरज (9) और अक्षित (3) ने सुपर रेड लगाए जबकि फजल अतराचली और सौरव नांदल ने हाई-5 लगाए। टाइटंस के लिए विजय मलिक (5) सबसे सफल खिलाड़ी रहे। डिफेंस में अजीत पवार ने चार अंक लिए। टाइटंस की आठ मैचो में यह चौथी और लगातार तीसरी हार है। बहरहाल, विजय के बोनस के बाद शुभम ने नीरज का शिकार कर टाइटंस को 2-0 की अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद भरत ने सौरव का शिकार किया और फिर आशू को लपक स्कोर 4-0 कर दिया लेकिन मैच की पहली डू ओर डाई रेड पर सुरजीत ने उनका शिकार कर दिल्ली का खाता खोल दिया। इसके बाद नीरज ने डू ओर डाई रेड पर अंक लेकर फासला 2 का कर दिया। अगली डू ओर डाई रेड जल्दी ही आ गई। इस पर मंजीत ने सौरव को आउट कर स्कोर 5-2 कर दिया।

नीरज ने हालांकि दिल्ली की डू ओर डाई रेड पर अंकित को आउट कर फासला फिर 2 का कर दिया। सुरजीत ने हालांकि भरत को लपक स्कोर 4-5 कर आशू को भी रिवाइव करा लिया। ब्रेक के बाद टाइटंस ने रफ्तार पकड़ी और 9-4 की लीड ले ली। दिल्ली के लिए चिंता की बात यह थी कि शुभम ने आशू का भी पत्ता साफ कर दिया था। अजिंक्य ने हालांकि अगली रेड पर नीरज को रिवाइव करा लिया। इसके बाद सौरव ने भरत को लपक स्कोर 6-9 कर दिया।

जोधपुर ने बीकानेर को हरा जीती राज्य स्तरीय अंडर-19 ट्रॉफी

आरसीए एडहॉक कमेटी ने खिलाड़ियों संग मनाया देश के प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन

जयपुर, 17 सितंबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता के आज सवाई मान सिंहस्टेडियम पर खेले गए फाइनल मैच में जोधपुर ने बीकानेर को 5 विकेट से हराकर प्रतियोगिता की विजेता बनी। फाइनल मैच के प्रेजेंटेशन समारोह में आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत, सदस्य पिंकेश पोरवाल ने विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी व मोमेंटो प्रदान किये। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने विजेती टीम को 31000 व उपविजेता टीम को 21000 की इनामी राशि देने की घोषणा की।

प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाडी

सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज कुशाग्र ओझा (भीलवाड़ा)

सर्वश्रेठ गेंदबाज गौरव (जोधपुर)

प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाडी सचिन लखेसर (बीकानेर) फाइनल मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाडी जगदीश चौधरी, फाइनल मैच (जोधपुर – बीकानेर) जोधपुर विकेट से जीती), बीकानेर पारी 183 आल आउट, टीम के लिए सचिन लखेसर70, सक्षम 39 व हरेंद्र 30 रन। जोधपुर के गेंदबाज जगदीश चौधरी 25 /5, केतनदेवासी 41 /2 विकेट, जोधपुर पारी 184 /5, टीम के लिए जगदीश चौधरी नाबाद 51, कृष्णा मालवीय नाबाद 53 व शिवांगसिंह 38 रन, बीकानेर के गेंदबाज सचिन सेन 41/3 व विनोद 32 /2 विकेट।

राज्य स्तरीय अंडर 23 ट्रॉफी के आज खेले गए मैच

झुंझनू – प्रतापगढ़ (झुंझनू 138 रन से जीती), झुंझनू पारी 319 आल आउट, टीम के लिए अंकुश कुमार 106, शुभम सिंह 94, अंकित 30 व यश शर्मा 22 रन, प्रतापगढ़ के गेंदबाज नीलेश टांक 46 /4, अनिल 53 /2 विकेट, प्रतापगढ़ पारी 136 आल आउट। टीम के लिए नीलेश टांक 46, आर्यन 38 व अजय 27 रन, झुंझनू के गेंदबाज करतीयक शर्मा 48 /4 ,मो आईमान24 /4 व विनय 12 /2 विकेट।

टोंक – दौसा (टोंक 44 रन से जीती), टोंक पारी 147 आल आउट, टीम के लिए अनस 30 रन, दौसा के गेंदबाज देवकृत शर्मा 29 /4, सचिन शर्मा 24 /3 विकेट।

दौसा पारी 103 आल आउट, टीम के लिए लीलाधर 37 व सचिन शर्मा 36 रन, टोंक के गेंदबाज गणेश सुथार 12 /4, आयुष गुर्जर 30 /4 व शुभंकर त्यागी 32 /2 विकेट।

बारां – बूंदी (बारां 10 रन से जीती), बारां पारी 252 /9, टीम के लिए जतिन चौधरी 88, बिजय कम्बोज 74 रन, बूंदी के गेंदबाज मेहुल सिंह 46 /3, रोहित कुमार 37 /2 विकेट, बूंदी पारी 242 आल आउट, टीम के लिए इंद्रा नगर 76, ओमांश शर्मा 58 व मेहुल सिंह 31 रन, बारां के गेंदबाज सिद्धार्थ शर्मा 29 /3, जतिन, मो अल्लाहरी व पदम् सिंह प्रत्येक 2 –2 विकेट।

सिरोही – बाड़मेर (बाड़मेर 7 विकेट से जीती), सिरोही पारी 137 आल आउट, टीम के लिए राहुल स्वारा 60 रन, बाड़मेर के गेंदबाज प्रवीण चौधरी 24 /5, दीपेंद्र 39 /2, बाड़मेर पारी 138 /3, राहुल चौधरी 73, सौरभ सिंह 28 रन, सिरोही के गेंदबाज मनीष रॉबेरी 36 /2 विकेट।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रधानमंत्री के जन्म दिन पर श्रमदान किया

उन्होंने पूरे राज्य में ''स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025'' का शुभारंभ किया

जयपुर, 17 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर बुधवार को राजस्थान भर में सेवा पखवाड़े की शुरुआत हुई। जयपुर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के अन्तर्गत, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने आमजन के साथ श्रमदान किया और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिवस की बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बनाई है और डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, जनधन योजना, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने देश को नई दिशा दी है और आज भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2014 में शुरू हुआ स्वच्छ भारत अभियान अब जन आंदोलन का रूप ले चुका है। पहले जहां केवल 38 प्रतिशत घरों में शौचालय थे, वहीं अब यह आंकड़ा लगभग 100 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर के दोनों नगर निगम - ग्रेटर और हेरिटेज - स्वच्छ सर्वेक्षण में देश के टॉप-20 शहरों में शामिल हुए हैं। डूंगरपुर को सुपर स्वच्छ लीग में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में जब स्वच्छ भारत अभियान शुरु हुआ था तब केवल 38 प्रतिशत घरों में शौचालय थे। अब यह आंकड़ा लगभग 100 प्रतिशत तक पहुँच चुका है।

मुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और स्वच्छ भारत निर्माण में भागीदारी की अपील की।

कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मानसरोवर क्षेत्र में एक स्थानीय टी-स्टॉल (थड़ी) पर स्वयं चाय बनाकर लोगों को पिलाई और आमजन के साथ चाय पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान, महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर स्वच्छता और सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में ''स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025'' का शुभारंभ किया और आमजन के साथ मिलकर श्रमदान किया।

ईवीएम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उसने मतदाताओं की सुविधा के लिए ईवीएम मतपत्रों को अधिक स्पष्ट और पठनीय बनाने के लिए संबंधित दिशानिर्देशों में संशोधन किये हैं। इन बदलावों के अंतर्गत अब ईवीएम पर उम्मीदवारों/नोटा के क्रमांक भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप में मुद्रित होंगे। ईवीएम मतपत्र पर उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें होंगी, जिसमें फोटो के हिस्से में, तीन-चौथाई हिस्से पर उम्मीदवार का चेहरा दिखेगा। मतदाताओं को पढ़ने में आसानी के लिए सभी उम्मीदवारों/नोटा के नाम एक ही फ़ॉन्ट के आकार-प्रकार में मुद्रित किये जायेंगे। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए ईवीएम मतपत्र 70 जीएसएम कागज़ पर मुद्रित किये जायेंगे।

मोदी ने ट्रंप को 37 मिनट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह महत्वपूर्ण इसलिये है, क्योंकि डॉनल्ड ट्रंप, जो कि हमेशा शोमैन और कारोबारी की तरह सोचते हैं, 'पहले पोस्ट करने' के महत्व को अच्छी तरह समझते हैं। उदाहरण के लिए, ऑपरेशन सिंदूर सीज़फायर की घोषणा करने वाली ट्रम्प की ट्रुथ सोशल पोस्ट को याद कीजिये।

उन्होंने भारत या पाकिस्तान के किसी आधिकारिक बयान से पहले ही ट्रुथ सोशल पर युद्ध विराम की घोषणा कर दी थी। उस घोषणा के कारण हफ्तों तक यह दावा चलता रहा कि ट्रंप ने यह सीज़फायर कराया, जबकि भारत ने इसका बार-बार खंडन किया।

इसी प्रकार जून में हुई ईरान-इज़राइल सीज़फायर की घोषणा को याद कीजिये। तेहरान और तेल अवीव को इसकी खबर तक नहीं थी, क्योंकि वे एक-दूसरे पर मिसाइलें दागने में व्यस्त थे।

आजकल सोशल मीडिया के ज़माने में यह बात ज्यादा महत्व रखती है कि किसने अपने तरीके से खबर लीक की, यह महत्व नहीं रखता कि किसने फोन पर क्या कहा।

इसलिए इस बार प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पहले ऑनलाइन पोस्ट करना (और मान लें, कि आज के दौर में ऑनलाइन ही सबसे अहम है) - ट्रंप को नागवार गुज़रा। उन्हें दोबारा नियंत्रण स्थापित करना था।

शायद यही वजह रही कि उन्होंने इस बार प्रधानमंत्री को उनके पहले नाम से संबोधित किया।

दरअसल, कम से कम सोशल मीडिया पर यह पहली बार हुआ, जब ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को पहले नाम से संबोधित किया। ऐसा वे सिर्फ रूस के व्लादिमीर पुतिन और इज़राइल के बेंजामिन नेतन्याहू के साथ करते हैं।

इसके विपरीत, मोदी ने अपने पोस्ट में ''प्रैसिडैंट'' शब्द का इस्तेमाल किया, और पहले की पोस्ट्स की तरह इस बार ट्रंप को 'मित्र' भी नहीं कहा, जिसने एक और तरह की चर्चा को जन्म दे दिया।

क्या अमेरिका, भारत से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खुद ट्रंप ने आशावादी रुख अपनाया। पिछले हफ्ते उन्होंने कहा था कि उन्हें ''पूरा विश्वास है'' कि दोनों पक्ष प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे सकेंगे। मोदी की उस बयान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया, उसके बाद जन्मदिन की शुभकामनाएं, और अमेरिका द्वारा वार्ताएं फिर से शुरू करने का निर्णय, इन सभी ने वार्ताकारों के लिए एक नया अवसर पैदा कर दिया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी अंतिम समझौते को अमेरिकी कृषि और तकनीक क्षेत्रों के लिए बाज़ार पहुंच की मांगों और भारत की टैरिफ, तेल आयात व डेटा स्थानीयकरण जैसे मुद्दों की चिंताओं के बीच संतुलन बनाना होगा। लेकिन अब जब दोनों देश व्यापारिक रिश्तों को पुनर्जीवित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो पर्यवेक्षकों का मानना है कि कम से कम एक अंतरिम समझौते की संभावना पहले से कहीं अधिक हो गई है। ''यह व्यापक संदर्भ भी महत्वपूर्ण है। फरवरी में मोदी की वॉशिंगटन यात्रा के दौरान, दोनों नेताओं ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया था। टैरिफ और बाजार पहुंच को लेकर मतभेदों ने इस दिशा में प्रगति धीमी कर दी थी, लेकिन मंगलवार की बैठक ने उस लक्ष्य की दिशा में फिर से गति ला दी है। भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी, जो रक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में पहले ही मौजूद है, अब व्यापार के क्षेत्र में भी अपनी परीक्षा दे रही है। भारत के लिए, अमेरिका के बाजार तक निरंतर पहुंच बनाए रखना उस समय बेहद जरूरी है, जब वह खुद को विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला केंद्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। वहीं अमेरिका के लिए, भारत को व्यापार और कृषि के मोर्चे पर साथ लाना ट्रंप की व्यापक आर्थिक नीति और एशिया में भू-राजनीतिक संतुलन की रणनीति से मेल खाता है। जैसे-जैसे मोदी और ट्रंप व्यक्तिगत स्तर पर गर्मजोशी का प्रदर्शन कर रहे हैं, व्यापारिक समझौते की संभावनाएं पहले से कहीं अधिक उज्ज्वल दिख रही हैं। जो कभी एक तीखा गतिरोध था, वह अब एक समझौते की रूपरेखा जैसा लगने लगा है, एक ऐसा समझौता जो दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ती हुई लोकतंत्रों के बीच आर्थिक साझेदारी को फिर से परिभाषित कर सकता है।

'प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को लेकर एक एआई वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में दिखाया गया था कि पीएम मोदी की मां उनके सपनों में आती हैं और उनसे बात करती हैं। बाद में, कांग्रेस के इस वीडियो पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई थी।

कांग्रेस के इस एआई वीडियो पर भाजपा ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने इस वीडियो को लेकर कहा था कि कांग्रेस पार्टी एक बार फिर पीएम मोदी की मां का अपमान कर रही है। यह अब गांधी की कांग्रेस नहीं रही, यह गालियों वाली कांग्रेस बन गई है। बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा था कि कांग्रेस को इस वीडियो को लेकर शर्म आनी चाहिए। उन्होंने एक बार फिर पीएम मोदी की मां, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं, उनका अपमान किया है। कांग्रेस के नेताओं को इस वीडियो के लिए माफी मांगनी चाहिए।

'पराली जलाने पर कुछ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्य न्यायाधीश ने सवाल किया कि अधिकारी इस मुद्दे के लिए दंडात्मक प्रावधानों पर विचार क्यों नहीं कर रहे। ''अगर कुछ लोगों को जेल भेजा जाए, तो यह सही संदेश देगा। आप किसानों के लिए कोई जुर्माना या दंड क्यों नहीं सोचते? अगर आप वास्तव में पर्यावरण की रक्षा करना चाहते हैं, तो झिझक क्यों?''

उन्होंने आगे कहा: ''किसान स्पैशल हैं, और हम उनके कारण ही भोजन कर पा रहे हैं... लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे इसका अनुचित लाभ उठा सकते हैं।''

हर साल अक्टूबर-नवंबर में दिल्ली की जहरीली हवा के प्रमुख कारणों में पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना शामिल है। किसान फसल के अवशेष हटाने के लिए पराली जलाते हैं। इसके विकल्पों में मजदूरों की मदद से खेत साफ करना या विशेष मशीनों का उपयोग शामिल है, लेकिन किसान तर्क देते हैं कि ये विकल्प महंगे हैं। हालांकि पराली जलाने के मामलों में कुछ कमी ज़रूर आई है, फिर भी यह प्रथा अब भी जारी है।

वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा, जो पंजाब सरकार की ओर से पेश हुए, ने कहा कि राज्य में पराली जलाने के मामलों में बीते कुछ वर्षों में गिरावट आई है। उन्होंने कहा, ''पिछले तीन वर्षों में काफी प्रगति हुई है। इस साल हम और बेहतर करेंगे।''

वरिष्ठ अधिवक्ता ने यह भी बताया कि पहले पराली जलाने के मामलों में गिरफ्तारियां की गई थीं। ''लेकिन इनमें से अधिकतर छोटे किसान हैं। अगर आप उन्हें पकड़कर जेल भेज देते हैं, तो उनके परिवार का क्या होगा?''

मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया: ''यह रूटीन में तो नहीं होना चाहिए। लेकिन एक संदेश देने के लिए जरूरी है।''

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी, जो दिल्ली सरकार और केन्द्र सरकार की ओर से पेश हुईं, ने अदालत से अनुरोध किया कि अगली सुनवाई अगले सप्ताह की जाए, जब तक कि सभी पक्षों की स्थिति रिपोर्ट जमा न हो जाए।

ब्रिटेन के केवल 16 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जन्मदिन पर फोन कर उन्हें विश्व नेता (वर्ल्ड स्टेट्समैन) बताया। इससे यह संदेश देने की कोशिश की गई कि उनके दोस्त दुनिया भर में हैं और पश्चिमी देशों की यह रणनीति, कि उन्हें अलग-थलग कर दिया जाए, पूरी तरह नाकाम रही है। एक हफ़्ते पहले ही पुतिन चीन में एससीओ शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग और कई अन्य वैश्विक दक्षिण के नेताओं के साथ मौजूद थे।

दूसरी तरफ, यूरोपीय संघ (ईयू) ने भी भारत से संपर्क तेज किया और व्यापार समझौते पर वार्ता को तेज़ी से आगे बढ़ाया। ईयू ने साफ तौर पर ट्रंप की इस अपील को ठुकरा दिया कि भारत और चीन पर रूसी सस्ता तेल खरीदने के लिए 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जाए।

ट्रंप की नाराज़गी का कारण यह भी है कि यूरोपीय देश खुद भी रूसी ऊर्जा खरीदते रहे हैं, भले ही उन्हें इसके लिए ''सैकेण्डरी सैंक्शन्स'' का सामना करना पड़ा हो। नाटक के नाम पर यह कैसा क्रूर दोगलापन है, जबकि, आम व निर्दोष यूक्रेनियों का कत्लेआम किया जा रहा है।

यह इक्कीसवीं सदी के ''मैकबैथ'' का एक संस्करण प्रतीत होता है। ट्रंप को इसका एहसास तक नहीं है कि उन्हें विंडसर के राजसी बागानों में शानदार बर्तनों और दिखावटी समारोहों के बीच एक ''चुड़ैलों के कड़ाहे'' में पकाया जा रहा है।

बीकानेर में पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किए गए हैं। एरिया को सील किया गया है। सदर एसएचओ दिगपाल सिंह ने बताया कि उनके क्षेत्र में ईडी ने सुभाषपुरा के लिए पुलिस बल मांगा था, जिसके बाद से जाब्ता ईडी के साथ भेजा हुआ है। इसके अलावा कोटगेट थाना क्षेत्र के फड़ बाजार में भी ईडी पहुंची है। यहां भी एक व्यापारी के यहां ईडी अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। सुभाषपुरा में ईडी की कार्रवाई पूर्व पार्षद जावेद खान के घर पर हो रही है, वहीं, फड़ बाजार में मोहम्मद सादिक के घर पर ईडी की टीम पूछताछ कर रही है। पुलिस बल के साथ, सदर थानाधिकारी खुद भी सुभाषपुरा पहुंचे। मुक्ता प्रसाद नगर थाना क्षेत्र में भी ईडी की टीम पहुंची है। करीब छह ठिकानों पर ईडी पहुंची है। ईडी की टीम ने बीकानेर में कार्रवाई को पूरी तरह गोपनीय बनाकर रखा है। फड़ बाजार के जिस घर में ये कार्रवाई हो रही है, उससे काफी पहले रास्ता बंद कर दिया गया है।

सहयोगी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही इसका समाधान नहीं हुआ, तो यह संघर्ष न सिर्फ एनडीए गठबंधन की चुनावी तैयारियों को प्रभावित कर सकता है, बल्कि 'इंडिया' गठबंधन को एनडीए की आंतरिक असहमति का फायदा उठाने का अवसर भी दे सकता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908